सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
Digital Edition

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष : 1 अंक : 315, नई दिल्ली,शुक्रवार,
08, दिसंबर 2023 पेज : 8

NEWS NTV
TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

शुभ संदेश

आप हर पल मुस्कराते रहें
सारे संसार की खुशियाँ
आपकी झोली में आ जाए
इसी शुभकामना सहित
सुबह का नमस्कार

तीन बार से ज्यादा चालान होने पर अब चालक का लाइसेंस होगा निरस्त, मुख्य सचिव ने दिए निर्देश

मुख्य सचिव ने कहा कि 9 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्व में लोक अदालतों में वादों के निस्तारण में उत्तर प्रदेश का प्रथम स्थान रहा है।

लखनऊ

मुख्य सचिव ने बुधवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये जिलाधिकारियों और मंडलायुक्तों के साथ विभिन्न विभागों के कामकाज की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि जिलों में उपलब्ध क्रिटिकल केयर सुविधा का भी समय-समय पर निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं ताकि सड़क दुर्घटना से प्रभावित व्यक्तियों को जिलों में उपचार मिल सके। मुख्य सचिव ने किसी भी वाहन चालक का तीन बार से अधिक चालान होने पर उनका लाइसेंस निरस्त करने के निर्देश दिए हैं। लाइसेंस निरस्त होने के बाद भी यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर उनके वाहन का पंजीयन निरस्त करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने बुधवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये जिलाधिकारियों और मंडलायुक्तों के साथ विभिन्न विभागों के कामकाज की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि जिलों में उपलब्ध क्रिटिकल केयर सुविधा का भी समय-समय पर निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं ताकि सड़क दुर्घटना से प्रभावित व्यक्तियों को जिलों में उपचार मिल सके। मुख्य सचिव ने सड़क दुर्घटना में 50 फीसदी कमी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने 15 से 31 दिसंबर तक सड़क सुरक्षा पखवाड़ा में वाहनों की जांच सहित अन्य आवश्यक कार्य करने के निर्देश दिए।

लोक अदालतों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें

मुख्य सचिव ने कहा कि 9 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्व में लोक अदालतों में वादों के निस्तारण में उत्तर प्रदेश का प्रथम स्थान रहा है। इस बार भी उत्तर प्रदेश का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहना चाहिए। उन्होंने इसकी तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। गांव गांव मनाया जाएगा संस्कृति उत्सव मुख्य सचिव ने कहा कि उत्तर प्रदेश पर्व हमारी संस्कृति-हमारी पहचान के तहत 25 दिसंबर से 26 जनवरी तक संस्कृति उत्सव-2023 का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्सव में ज्यादा से ज्यादा प्रतिभागियों की हिस्सेदारी होनी चाहिए। बैठक में बताया गया कि दिनांक 25 से 30 दिसंबर तक गांव, पंचायत, ब्लॉक एवं तहसील स्तर के कलाकारों की प्रतियोगिता तहसील मुख्यालय पर होगी। तहसील स्तर पर चयनित कलाकारों की प्रतियोगिता 01 से 05 जनवरी तक जिला मुख्यालय पर होगी। जिला स्त पर चयनित कलाकारों की प्रतियोगिता 10 से 15 जनवरी राजधानी लखनऊ मे होगी। 24 से 26 जनवरी तक उत्तर प्रदेश पर्व के अवसर पर अंतिम रूप से चयनित सभी प्रतिभागियों की प्रस्तुतियां, सम्मान एवं पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

राजस्व वादों में कमी आई

मुख्य सचिव ने एक वर्ष से अधिक पुराने राजस्व वादों का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए। साथ ही नए दर्ज होने वाले वादों का भी समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि 80 दिन में राजस्व वादों के 7.3 लाख, पैमाइश के 54,204, नामांतरण के 4,13,988, कृषिक भूमि का गैर-कृषिक भूमि में परिवर्तन के 582, कुर्रा-बटवारा के 59,524 मामलों में कमी आयी है। रबी की फसल का ई खसरा पड़ताल एक जनवरी से

मुख्य सचिव ने कहा कि निर्देश दिए कि रबी फसल की ई-खसरा पड़ताल का कार्य 1 जनवरी से शुरू होना है। उन्होंने 10 दिसंबर तक सर्वेयर और सुपरवाइजर का चयन करने, 25 दिसंबर तक उनका प्रशिक्षण कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारियों ने किया नवाचार का प्रस्तुतीकरण कानपुर नगर के जिलाधिकारी विशाख जी ने नागरिक सुविधा केंद्र पर प्रस्तुतिकरण दिया गया। प्रयागराज के जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल ने प्रोजेक्ट मुस्कान-एम्पावरिंग दिव्यांगजन चिल्ड्रेन विषय पर प्रस्तुति दी । एटा के जिलाधिकारी प्रेम रंजन सिंह द्वारा ह्यजोमैटो इंडिया के सहयोग से कुपोषण के खिलाफः जिला एटा की एक पहलह्न पर प्रस्तुति दी।

देर रात चामी के पास बड़कोट जा रही कार खाई में गिरी, एक की मौत

देहरादून

अंधेरा अधिक होने के चलते कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। हादसे में मनीष पुत्र मदनपाल, निवासी बरोटीवाला विकासनगर की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

वहीं, रवि कुमार पुत्र संतराम बद्रीनाथ मार्ग श्रीनगर गढ़वाल गंभीर रूप से घायल हो गया।

यमुनोत्री हाईवे पर देर रात दर्दनाक हादसा हो गया। चामी गांव के पास एक कार खाई में गिर गई। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, अल्टो कार संख्या ४'07अइ 1803 देर रात विकासनगर से बड़कोट जा रही थी। इस दौरान अंधेरा अधिक होने के चलते कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। हादसे में मनीष पुत्र मदनपाल, निवासी बरोटीवाला विकासनगर की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

यमुनोत्री हाईवे पर देर रात दर्दनाक हादसा हो गया। चामी गांव के पास एक कार खाई में गिर गई। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, अल्टो कार संख्या ४'07अइ 1803 देर रात विकासनगर से बड़कोट जा रही थी। इस दौरान अंधेरा अधिक होने के चलते कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। हादसे में मनीष पुत्र मदनपाल, निवासी बरोटीवाला विकासनगर की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

वहीं, रवि कुमार पुत्र संतराम बद्रीनाथ मार्ग श्रीनगर गढ़वाल गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांव में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

थानाध्यक्ष पुरोला अशोक कुमार चक्रवर्ती ने बताया कि घटना देर रात की है। 108 को हादसे की सूचना मिली थी। पुलिस ने रेस्क्यू कर घायल हो निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका अभी इलाज चल रहा है।

संक्षिप्त खबरें

भानियावाला तिराहे के पास दो ढाबों में लगी भीषण आग, चपेट में आया शराब का ठेका, मची अफरा-तफरी

देहरादून

देहरादून में भानियावाला तिराहे के पास स्थित दो ढाबों में भीषण आग लग गई। इस दौरान आग ने एक शराब के ठेके को भी चपेट में ले लिया। इस दौरान दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। आधा दर्जन फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार, देर रात करीब साढ़े 11 बजे भानियावाला फ्लाइओवर के पास टीन शेड में बने विजय नेगी निवासी भानियावाला व अनिल जयसवाल निवासी डोईवाला के ढाबों में अचानक आग लग गई। विजय नेगी की दुकान के अंदर सो रहे नौकर उत्तम सिंह ने आग लगने की सूचना मालिक को दी। जिसके बाद विजय नेगी ने पुलिस को सूयना दी। आग इतनी भीषण थी कि पास में बना शराब का ठेका भी उसकी चपेट में आ गया।

करीब 12 बजकर 50 मिनट पर आग पर काबू किया गया। लेकिन ठेके पर शराब की बोतलों में रुक-रुक कर ब्लास्टिंग होती रही। अनिल जयसवाल व विजय नेगी की दुकान पर रखा फर्नीचर आदि सामान जल कर राख हो गया। ठेका संचालक विनय रावत ने कहा कि दुकान में आग लगने से लाखों का माल नष्ट हो गया है। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की संभावनाएं जताई गई हैं।

नैनीताल में बड़ा सड़क हादसा, खाई में गिरी कार, भाजपा नेता की मौत

नैनीताल

नैनीताल में आमपड़ाव के पास एक कार खाई में गिर गई। जिसमें भाजपा नेता सचिन जोशी की मौत हो गई। सचिन जोशी हल्दूचौड़ भाजपा के महामंत्री थे।

नैनीताल में एक बार फिर सड़क हादसा हो गया। नैनीताल के आमपड़ाव के पास एक कार खाई में गिर गई। हादसे में भाजपा नेता सचिन जोशी की मौत हो गई। सचिन जोशी हल्दूचौड़ भाजपा के महामंत्री थे।

बारिश-बर्फबारी में अब ठप नहीं होगा कालका-शिमला रेल ट्रैक, खतरा बने 150 पेड़ हटाए

शिमला,सर्दियों में हैरिटेज ट्रैक पर बर्फबारी और बारिश होने से शिमला से सोलन के बीच पेड़ ढहते हैं। इससे कई दिनों तक रेल सेवा बंद हो जाती है। कालका-शिमला हैरिटेज ट्रैक पर बर्फबारी के दिनों में पेड़ ढहने से रेल सेवाएं बाध्य नहीं होंगी। रेलवे विभाग ने कालका से शिमला के बीच ट्रैक के लिए खतरा बने 150 पेड़ों को काट दिया है। इनमें अधिकांश पेड़ सोलन से शिमला के बीच काटे गए हैं। बर्फबारी और बारिश से ट्रैक के बचाव के लिए रेलवे ने पेड़ चिन्हित किए थे। इनमें ज्यादातर पेड़ ट्रैक की ओर झुके हुए थे। सर्दियों में हैरिटेज ट्रैक पर बर्फबारी और बारिश होने से शिमला से सोलन के बीच पेड़ ढहते हैं। इससे कई दिनों तक रेल सेवा बंद हो जाती है। बर्फबारी का आनंद लेने के लिए हजारों की संख्या में सैलानी शिमला का रुख करते हैं। इस दौरान रेलमार्ग से टॉय ट्रेन में शिमला आना ही सैलानियों के लिए आवाजाही का साधन होता है। अब पेड़ कटान होने से बर्फबारी में रेल सेवाएं बंद नहीं होंगी। बर्फबारी से शहर में बसें बंद होने से लोग ट्रेन में करते हैं आवाजाही

सर्दियों में भारी बर्फबारी और बारिश होने से शिमला शहर में दो से तीन दिन तक यातायात बंद हो जाता है। इस दौरान बसों की आवाजाही भी बंद होने से लोगों के लिए ट्रेन ही आवाजाही का साधन रहता है। टुटू, जतोग, तारादेवी, शोघी से आने वाले लोग टॉय ट्रेन में शिमला पहुंचते हैं।

भीड़ के चलते देवरिया में ट्रेन से नहीं उतर पाई महिला, गोरखपुर स्टेशन पर उतारा गया

बिहार की तरफ से आ रही आम्रपाली एक्सप्रेस में सवार एक महिला देवरिया स्टेशन पर भीड़ की वजह से उतर नहीं पाई।

गोरखपुर

मंडल सुरक्षा नियंत्रण कक्ष, लखनऊ से मिली सूचना पर 40 वर्ष की इस महिला को आरपीएफ ने गोरखपुर जंक्शन पर उतारा। परिजन आए और महिला को अपने साथ ले गए। इसके अलावा रेलवे सुरक्षा बल सीवान से मिली सूचना पर आरपीएफ देवरिया सदर ने ट्रेन नंबर-12553 से यात्री के छूटे बैग को उसे सुपुर्द किया।

बिहार की तरफ से आ रही आम्रपाली एक्सप्रेस में सवार एक महिला देवरिया स्टेशन पर भीड़ की वजह से उतर नहीं पाई। मंडल सुरक्षा नियंत्रण कक्ष, लखनऊ से मिली सूचना पर 40 वर्ष की इस महिला को आरपीएफ ने गोरखपुर जंक्शन पर उतारा। परिजन आए और महिला को अपने साथ ले गए।

इसके अलावा रेलवे सुरक्षा बल सीवान से मिली सूचना पर आरपीएफ देवरिया सदर ने ट्रेन नंबर-12553 से यात्री के छूटे बैग को उसे सुपुर्द किया। इसके अलावा मंडल सुरक्षा नियंत्रण कक्ष लखनऊ से प्राप्त सूचना पर रेलवे सुरक्षा बल, खलीलाबाद ने ट्रेन नंबर-20104 से यात्री के छूटे बैग जिसमें लैपटॉप रखा हुआ था, बरामद कर यात्री को सुपुर्द किया।

रूह कंपा देने वाला था मंजर, चार शव देख सिहर उठे पड़ोसी

खास बात ये भी है कि इतनी बड़ी वारदात की जानकारी उनके आसपास रहने वाले अन्य लोगों को भी नहीं हुई। सोमवार और फिर मंगलवार को पूरे दिन परिजन चिकित्सक और उनके बच्चों से बात करने के लिए फोन मिलाते रहे

लखनऊ

लालगंज (रायबरेली)। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना स्थित डॉ. अरुण के आवास का मंजर रूह को कंपा देना वाला था। सिर्फ आसपास के लोग ही नहीं, बल्कि पुलिस अफसर भी अंदर का नजारा देखकर दंग थे। डॉक्टर अरुण तो फंदे से लटक रहे थे और उनकी पत्नी अर्चना सिंह, बेटी अदीवा (12) और बेटे आरव (4) के शव बेड पर पड़े थे। सभी के सिर पर चोट के गंभीर निशान थे। अर्चना का चेहरा खून से सना था। आवास में रखा सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा था। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि महिला और उसके दो बच्चों की हत्या कितनी बेरहमी से हुई होगी।

खास बात ये भी है कि इतनी बड़ी वारदात की जानकारी उनके आसपास रहने वाले अन्य लोगों को भी नहीं हुई। सोमवार और फिर मंगलवार को पूरे दिन परिजन चिकित्सक और उनके बच्चों से बात करने के लिए फोन मिलाते रहे, लेकिन बात नहीं हो पाई। मंगलवार की देर रात पुलिस अफसरों की मौजूदगी में आवास का ताला ताला तोड़ा गया तो नजारा देख कर लोग सहम गए। यह ऐसा दृश्य था, जो शायद ही आरेडिका में रहने वाले लोगों ने कभी नहीं सोचा भी नहीं था। अर्चना के मुंह में कपड़ा ठुंसा हुआ था। गले को भी ग्राइंडर से रेता गया था। इसके बाद उसे हथौड़े के वार के निशान थे। बच्चों के सिर और शरीर पर कई जगह हथौड़े से वार किए गए थे। उसके शरीर पर कई जगह चाकू से भी गोदा गया था। डॉक्टर के हाथ की ग्राइंडर से नसें कटी थीं। उसके हाथ में वीगो भी लगा हुआ मिला। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि दीमक मारने वाली दवा भी शरीर में चढ़ाने की कोशिश की गई। माना जा रहा है कि किसी भी तरह सफल न होने पर अंत में कुर्सी के जरिए चिकित्सक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली होगी।

इंसुलिन की खाली शीशियां और सिरिंज मिली

अपर पुलिस अधीक्षक नवीन कुमार सिंह के मुताबिक घर में एक बेडपर इंसुलिन की कई खाली शीशियां और सिरिंज पाए गए हैं। खाना खाने के बाद बर्तन साफ किए और फिर सोहन पापड़ी खाई गई। ऐसा लगता है कि सोहन पापड़ी में ही कोई नशीली दवा मिली थी, जिससे सभी बेहोश हो गए थे। फॉरेंसिक टीम जांच कर रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति साफ होगी।

अब पांच साल बाद नए सिरे से बनाई जा सकेगी हर सड़क, रखरखाव की जिम्मेदारी निर्माण फर्म की होगी

पीडब्ल्यूडी ने इन बदलावों के लिए प्रस्ताव तैयार कर लिया है। इसे शीघ्र कैबिनेट में मंजूरी के लिए रखा जाएगा।

लखनऊ

यूपी में अब पांच साल बाद सड़कों का नवीनीकरण हो सकेगा। सड़कों के रखरखाव की जिम्मेदारी निर्माण करने वाली फर्म की होगी।

उत्तर प्रदेश में अब सभी श्रेणियों की सड़कों का पांच साल बाद नवीनीकरण हो सकेगा। पांच साल की अवधि में सड़कों के रखरखाव की जिम्मेदारी भी निर्माण करने वाली फर्म की होगी। इसके लिए उसे सड़क की लागत का 2.5 से 25 प्रतिशत तक अतिरिक्त भुगतान करना होगा।

पीडब्ल्यूडी ने इन बदलावों के लिए प्रस्ताव तैयार कर लिया है। इसे शीघ्र कैबिनेट में मंजूरी के लिए रखा जाएगा। अभी लागू व्यवस्था में राज्यमार्गों का नवीनीकरण 4, प्रमुख व अन्य जिला मार्गों का 5 और ग्रामीण मार्गों का नवीनीकरण 8 वर्ष बाद किया जाता है। वहीं, राज्य मार्गों, प्रमुख व अन्य जिला मार्गों के लिए दोष निवारण अवधि एक वर्ष और ग्रामीण मार्गों के लिए दो वर्ष लागू है।

प्रस्तावित व्यवस्था में कहा गया है कि सभी श्रेणियों की सड़कों के निर्माण और रखरखाव के लिए दीर्घकालिक दोष निवारण अवधि को 5 वर्ष किया जाएगा। इसके लिए ठेकेदार को निश्चित राशि का भुगतान भी होगा।

उच्च श्रेणी के मार्गों यानी राज्य मार्ग, प्रमुख जिला मार्ग, अन्य जिला मार्ग, शहरी मार्ग व बाईपास के मामले में रखरखाव राशि निर्माण लागत की 2.5 प्रतिशत होगी। ग्रामीण मार्गों के मामले में यह लागत की 7.5 प्रतिशत होगी। यह अवधि सड़क का निर्माण पूरा होने पर प्रारंभ मानी जाएगी।

एक्सप्रेस-वे से जुड़ेगा दून-पांवटा हाईवे, 12 मिनट में तय होगी 12 किमी की दूरी

देहरादून

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) उत्तराखंड में दो महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे और दून-पांवटा फोरलेन हाईवे पर काम कर रहा है। दो हाईवे को आपस में जोड़ने के लिए 12.17 किमी नई ग्रीन फील्ड रोड के लिए एनएचएआई टेंडर जारी कर दिए हैं।

राजधानी देहरादून में वाहनों के बढ़ते दबाव को कम करने के लिए कई स्तरों पर काम किया जा रहा है। इसके तहत प्रेमनगर के झाझरा से आशारोड़ी चेक पोस्ट तक नई ग्रीन फील्ड रोड पर शीघ्र कार्य शुरू होने जा रहा है। 12 किमी के चार लेन हाईवे के बन जाने से यह

दूरी 12 मिनट में पूरी हो एक्सप्रेस-वे से जुड़ेगा दून-पांवटा हाईवे, 12 मिनट में तय होगी 12 किमी की दूरी सकेगी। केंद्र सरकार ने एक दिन पहले ही परियोजना के लिए 716 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) उत्तराखंड में दो महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे और दून-पांवटा फोरलेन हाईवे पर काम कर रहा है। दो हाईवे को आपस में जोड़ने के लिए 12.17 किमी नई ग्रीन फील्ड रोड के लिए एनएचएआई टेंडर जारी कर दिए हैं। एक-दो माह में टेंडर फाइनल होने की उम्मीद है। इसके बाद अगले तीन से चार माह में परियोजना पर काम शुरू हो जाएगा। इसके लिए देहरादून के छह गांवों की 44 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। इसकी एवज में 120 करोड़ रुपये मुआवजा बांटा गया है। यह सड़क देहरादून के लिए बाईपास की तरह काम करेगी। जिससे शहर में भीड़भाड़ के साथ प्रदूषण में भी कमी आएगी। आशारोड़ी से दिल्ली की तरफ से आने वाला ट्रैफिक, जिसे चकराता, पांवटा, विकासनगर, मसूरी या धनोल्टी जाना है, वह इस सड़क की तरफ मुड़ जाएगा।

चाय बनाते समय महिला की साड़ी में लगी आग, बुरी तरह झुलसी...

देहरादून

तड़के महिला कमरे में गई और चाय बनाते समय उसकी सिल्क की साड़ी ने आग पकड़ ली। इससे पहले की महिला कुछ कर पाती कमरे में भी आग लग गई और आग के कारण उसकी कमर व पैर का पूरा हिस्सा बुरी तरह से झुलस गया। ऋषिकेश में गुरुवार तड़के चाय बनाने के दौरान एक महिला की साड़ी में आग लग गई। हादसे में महिला बुरी तरह झुलस गई है। महिला को एम्स में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि गंगा नगर गणेश विहार गली नंबर चार में महिला यसोदा चमोली पत्नी मुरलीधर चमोली के घर पुताई का काम चल रहा है। जिसके चलते उन्होंने एक ही कमरे में रसोई व अन्य कमरों का सामान रखा हुआ है।

तड़के महिला कमरे में गई और चाय बनाते समय उसकी सिल्क की साड़ी ने आग पकड़ ली। इससे पहले कि महिला कुछ कर पाती कमरे में भी आग लग गई और आग के कारण उसकी कमर व पैर का पूरा हिस्सा बुरी तरह से झुलस गया।

युवक ने ट्रेन से कटकर दी जान, जुए में रकम हारने से था आहत, आत्महत्या करने से पहले बनाया वीडियो

महोबा जिले में जुए में रकम हारने से आहत एक युवक ने ट्रेन से कटकर जान दे दी। आत्महत्या करने से पहले युवक ने मोबाइल पर वीडियो बनाया, जिसमें जुए में रुपये हारने पर यह कदम उठाने की बात कही।

कानपुर

मृतक के पिता ने बताया कि पुत्र अरविंद का विवाह दो साल पहले हुआ था। दोनों दिल्ली में रहकर मजदूरी करते थे। गांव वापस आने पर जुए रकम हार जाने से आहत होकर अरविंद पहले पत्नी को मायके छोड़ और बड़ा कदम उठा लिया।

महोबा जिले में जुए में रकम हारने से आहत एक युवक ने ट्रेन से कटकर जान दे दी। आत्महत्या करने से पहले युवक ने मोबाइल पर वीडियो बनाया, जिसमें जुए में रुपये हारने पर यह कदम उठाने की बात कही। मृतक चार दिन पहले दिल्ली से मेहनत मजदूरी कर घर लौटा था।

सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। घटना से परिजनों में कोहराम मचा है। कोतवाली क्षेत्र के दड़हटमाफ गांव निवासी मुन्नालाल अहिरवार का पुत्र अरविंद (25) पत्नी के साथ दिल्ली में रहकर मेहनत मजदूरी का काम करता था।

चार दिन पहले वह मजदूरी की रकम लेकर घर वापस लौटा था। यहां आकर वह जुए में पूरे रुपये हार गया। दो दिन पहले वह अपनी पत्नी सुमन को मायके छोड़ आया था। बुधवार की रात युवक ने झांसी-मानिकपुर रेलवे ट्रैक पर बरीपुरा के पास ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली।

आत्महत्या से पहले मोबाइल से वीडियो भी बनाया

जान देने से पहले युवक ने अपने ही मोबाइल से वीडियो भी बनाया। इसमें वह बताता है कि दिल्ली में मजदूरी कर कमाई जमापूंजी जुए में हार गया। इससे आहत होकर आत्महत्या कर रहा है, जिसका कोई जिम्मेदार नहीं है। आत्महत्या की वजह सिर्फ जुए में रुपये हारना है।

मामले की जांच में जुटी है पुलिस

मृतक के पिता ने बताया कि पुत्र अरविंद का विवाह दो साल पहले हुआ था। दोनों दिल्ली में रहकर मजदूरी करते थे। गांव वापस आने पर जुए रकम हार जाने से आहत होकर अरविंद पहले पत्नी को मायके छोड़ और बड़ा कदम उठा लिया। बेटे ने जान देने से पहले मोबाइल पर वीडियो भी बनाया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

शादी के बाद दोस्ती को बचाने के ये हैं कुछ तरीके

एनटीवी

अगर आप अपनी दोस्ती को जीवनभर संभालकर रखना चाहती हैं तो कुछ तरीकों को अपनाकर अपनी शादी के बाद जुड़े नए रिश्तों के साथ ही दोस्ती के पुराने बंधनों को भी आसानी से निभा सकती हैं।

शादी के बाद बहुत कुछ बदल जाता है। जिंदगी में नए रिश्तेदार आ जाते हैं और नई तरह की व्यस्तता भी। ऐसे में पुरानी दोस्ती को कैसे बचाएं ? दोस्ती ऐसा अनूठा बंधन है, जो जाति-धर्म, ऊंच-नीच और उम्र के फासले को भी मिटा देता है।

लेकिन शादी के बंधन में बंधने के बाद आपके अपने आपसे यह उम्मीद करते हैं कि आप दोस्तों को भूलकर केवल नए परिवार तथा रिश्तों पर ध्यान दें।

कई बार न चाहते हुए भी आपके पुराने दोस्त आपसे दूर होने लगते हैं और दोस्ती का नाम मात्र की रह जाती है,

लेकिन अगर आप अपनी दोस्ती को जीवनभर संभालकर रखना चाहती हैं।

तो कुछ तरीकों को अपनाकर अपनी शादी के बाद जुड़े नए रिश्तों के साथ ही दोस्ती के पुराने बंधनों को भी आसानी से निभा सकती हैं।

समय दें

शादी के बाद एक नए परिवेश में खुद को ढालने की वजह से लड़कियों को अपने लिए भी समय नहीं मिल पाता है। ऐसे में आपको सबसे पहले खुद को प्रायोरिटी देनी चाहिए। आप अपने नए परिवार को समय दें और उनकी इजाजत लेकर सहेलियों से भी मिलती रहें। यकीन मानिए, इससे आपकी दोस्ती में जान आ जाएगी। आप शॉपिंग के बहाने उनसे मिल सकती हैं या फेस्टिवल के मौके पर उन्हें आमंत्रित कर सकती हैं। आप अगर उनसे मिल नहीं पा रही हैं तो कम से कम फोन पर या मैसेज पर आपस में बातचीत करती रहें।

अच्छी यादें

आप अपनी सहेलियों के साथ पुरानी फोटो शेयर करें और कुछ अच्छी यादों की चर्चा भी कर सकती हैं।

इससे रिश्ते में जान बनी रहती है और आपके और आपकी सहेली के बीच की दूरियां कम हो जाएंगी, साथ ही पुरानी यादें भी ताजा होती हैं।

बदलाव का न हो अहसास

हालांकि, ये सच है कि जब हम सिंगल होते हैं, तो हमारे पास बहुत समय होता है और कोई रोक-टोक भी नहीं होती। लेकिन जैसे ही शादी होती है सब उसके उलट हो जाता है। ऐसे में बार-बार आप उन्हें अपनी जिंदगी में आए बदलाव और वह नहीं आपका नया परिवार आपकी प्राथमिकता है यह न बोलती रहें, इससे रिश्ते बिखरने का डर रहता है।

साथी को उसकी अहमियत बताएं

अगर आप पति को अपनी सहेलियों के बारे में नहीं बताएंगी या उन्हें इस बात की जानकारी नहीं देंगी कि आपके लिए सहेलियां भी खास हैं तो वह भी आपके दोस्तों में रुचि नहीं लेंगे और आपके लिए वे क्या अहमियत रखती हैं, यह नहीं समझ पाएंगे।

इसलिए अपने पति से इस बारे में बात करती रहें। इससे आप दोनों के बीच में असुरक्षा की जो भावना होगी, वह भी दूर हो जाएगी और आप कभी कोई ट्रिप भी साथ में प्लान कर सकती हैं।

चाहत और प्रयास जरूरी

मेंटल हेल्थ एवं रिलेशनशिप कोच

किसी भी रिश्ते को निभाने के लिए दो चीजें सबसे ज्यादा जरूरी हैं, फिर चाहे वह नया हो या पुराना।

इसमें पहली होती है, रिश्ते निभाने की चाहत और दूसरी इसे निभाने का प्रयास। इसलिए सबसे पहले आप टाइम मैनेज करना सीखें। आप नए रिश्तों को भी समय दें और पुराने को भी।

आप कुछ खास अवसर, मसलन जन्मदिन, सालगिरह और त्योहारों पर बधाई संदेश भेजें।

अगर आप ये चीजें कर रही हैं तो यकीन मानिए, आपका रिश्ता ताउम्र रहेगा।

यदि आप वर्किंग है तो ऑफिस से निकलने के बाद आते-जाते वक्त उनसे मिल सकती हैं या फोन पर बात कर सकती हैं।

आप सहेलियों से अपने पति को भी मिलाएं, सहेलियों के पतियों से भी मिलें।

शादी के बाद पति को करना है इंप्रेस तो ऐसे हों तैयार, देखते ही दिल हार बैठेंगे पतिदेव

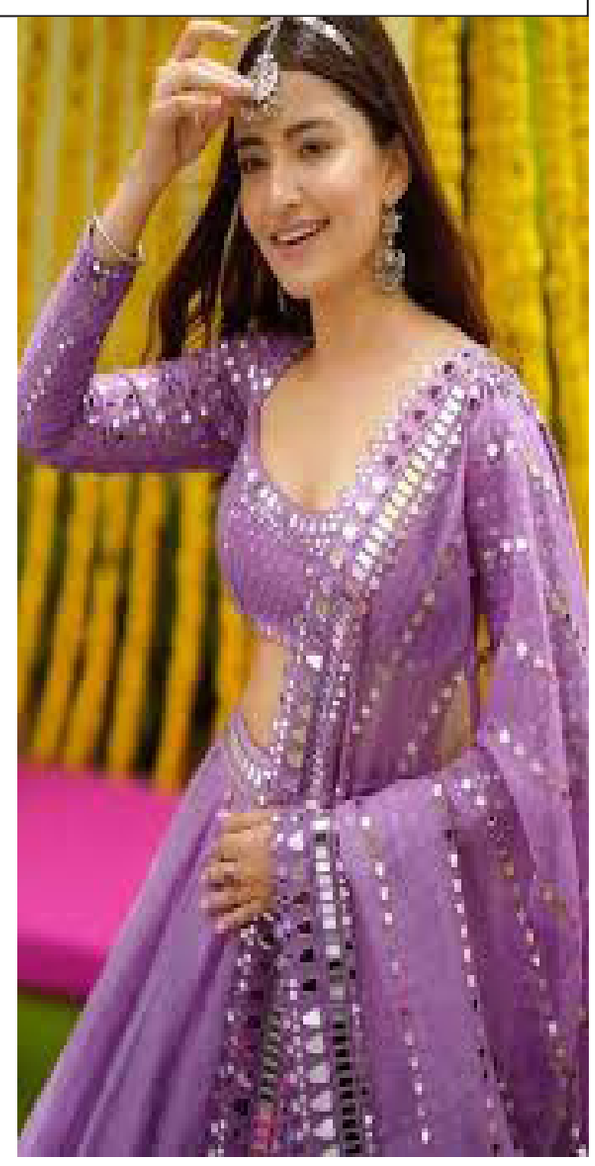

एनटीवी

शादी का सीजन चल रहा है। ऐसे में होने वाली दुल्हनें अपने लिए जमकर शॉपिंग करने में लगीं हैं। जब एक लड़का और लड़की शादी के बंधन में बंधते हैं, तो उनके जीवन में काफी बड़ा बदलाव देखने को मिलता है। खासतौर पर अगर बात करें लड़कियों की तो लड़कियों की जिंदगी तो शादी के बाद पूरी तरह से बदल ही जाती है। शादी के बाद लड़कियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

ऐसे में सबसे ज्यादा बड़ी चुनौती होती है, ससुराल वालों को इंप्रेस करना। अगर अरेंज मैरिज की बात करें तो पति को इंप्रेस करना भी कठिन काम होता है। ऐसे में हम आपको इसके लिए कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

अगर आप शादी के बाद अच्छे से तैयार होकर रहेंगी तो ससुराल वालों के साथ आपके पति भी आपसे इंप्रेस हो जायेंगे। आइए आपको बताते हैं कि नई दुल्हनों को कैसे तैयार होकर रहना चाहिए।

पहनें साड़ी

हमेशा नई दुल्हनों को साड़ी पहनने की सलाह दी जाती है क्योंकि साड़ी में दुल्हन की खूबसूरत और ज्यादा निखरकर आती है। साड़ी पहनकर हर लड़की और ज्यादा खूबसूरत दिखाई देती है। ऐसे में आप अपने पति को खुश करने के लिए साड़ी पहन सकती हैं।

सूट भी है बेहतर विकल्प

अगर आपको साड़ी पहनने में परेशानी होती है तो आप सूट भी पहन सकती हैं। सूट और साड़ी पहनते वक्त इसके रंग का खास ध्यान रखें। शादी के तुरंत बाद ज्यादा हल्के रंग ना पहनें। नई दुल्हनों पर चटक रंग ही फबते हैं।

हाथों में पहनें चूड़ी

हर लड़का अपनी पत्नी को सजे-संवरे देखना चाहता है। ऐसे में शादी के तुरंत बाद हाथों की चूड़ी उतारें नहीं। हाथों में खनकती चूड़ियां देखने में बेहद प्यारी लगती हैं।

मेकअप ना करें डार्क

भले ही आपको मेकअप पसंद हो, लेकिन डेली में ज्यादा डार्क मेकअप देखने में अजीब लग सकता है। ऐसे में शादी के बाद मेकअप थोड़ा हल्का रखें। अगर कहीं घूमने जा रहीं हैं तो डार्क मेकअप कर सकती हैं, लेकिन अगर घर में हैं तो हल्का मेकअप ही रखें।

मंगलसूत्र और सिंदूर है सुहाग का प्रतीक

आजकल तो लड़कियों के हिसाब से ही हल्के-हल्के मंगलसूत्र काफी चलन में हैं। ऐसे में ऐसा ही मंगलसूत्र अपने लिए बनवाएं, जिसे आप हमेशा कैरी कर सकें। इसके साथ ही शादी के बाद माथे को कभी सूना ना रहने दें। सिंदूर और बिंदी हमेशा लगाकर ही रखें। इसी से आपकी खूबसूरती में चार चांद लग जाएंगे।

लिपस्टिक को लगाकर रखें

मेकअप भले ही आप एक बार को छोड़ दें लेकिन सिर्फ लिपस्टिक आपकी खूबसूरत को कई गुना बढ़ा सकती है। ऐसे में लिपस्टिक जरूर से लगाकर रखें।

इस योगासन से हमेशा एक्टिव रहता है शरीर, बढ़ता है स्टैमिना और इम्यूनिटी होती है मजबूत

एनटीवी

आज कल की भागमभाग जिंदगी में स्वस्थ रहना है, तो योग करना बहुत जरूरी है। योग करन से कई तरह की बामीरियों से आप बचे रहते हैं।

माना जाता है कि योग मानव जीवन का एक अहम हिस्सा है।

आज कल की भागमभाग जिंदगी में स्वस्थ रहना है, तो

योग करना बहुत जरूरी है।

योग करन से कई तरह की बामीरियों से आप बचे रहते हैं। माना जाता है कि योग मानव जीवन का एक अहम हिस्सा है।

वर्तमान समय में योगा का महत्व काफी बढ़ गया है।

आप अपने में जीवन में योग शामिल कर स्वस्थ रह सकते हैं।

इसके साथ ही योगा करने से शरीर की इम्यूनिटी बढ़ती है। आज हम आपको कुछ योग के बारे में बताएंगे, जिससे आप क्टिव महसूस करेंगे। इसके साथ ही इन योग को करने से स्टैमिना बढ़ता है।

बालासन

बालासन को करने से शरीर की सुस्ती और थकान दूर होती है। शरीर स्वस्थ रहता है और दिमाग को तरोताजा रखने के लिए बालासन सबसे अच्छा है।

उत्कट कोणासन

योगासन को करने से मांसपेशियों में मजबूती आती है। इससे पैर और टांगों में होने वाला दर्द दूर रहता है। इससे मन शांत रहता है और नियंत्रण में रहता है। इससे आपके फोकस बढ़ता है। योग से पीठ का दर्द भी ठीक होता है।

सेतुबंधासन

इस योगासन से आपके पेल्विक फ्लोर मसल्स (pelvic floor muscle) को मजबूत बनाता है।

इसके साथ ही इस आसान से पीरियड के दौरान होने दर्द कम होता है, जिससे आपको काफी हद तक आराम मिलेगा। इस आसन से आपके बाजुओं में होने वाली स्टिफनेस भी कम होता है।

हनुमानासन

इस आसन से शरीर के नीचे वाला भाग मजबूत होता है और साथ ही यह आपके दिमाग को भी शांत रखता है।

इससे शरीर में होने वाला दर्द दूर होता है। इससे आपका स्टैमिना भी बढ़ता है।

इस साल कपड़ों की वजह से ट्रोलर्स के निशाने पर रहीं ये अभिनेत्रियां

एनटीवी

अगर बात करते हैं फैशन की तो बी टाउन की अभिनेत्रियों का नाम सबसे आगे आता है। इन्हीं की वजह से आए दिन नए-नए ट्रेंड देखने को मिलते हैं। फैशन के नए ट्रेंड भी बी टाउन की अभिनेत्रियां अपने साथ लाती हैं लेकिन कई बार ऐसा होता है कि उनके लुक्स स्टाइलिश दिखने की बजाय काफी खराब दिखते हैं।

कई बड़ी अभिनेत्रियां क्लासी और बोल्ड दिखने की चक्कर में अपने लुक को काफी अजीब बना देती हैं। खराब फैशन की वजह से इन्हें ट्रोलर्स का शिकार होना पड़ता है। इन अभिनेत्रियों में कई ऐसी एक्ट्रेस का नाम भी शामिल है, जिनकी खूबसूरती की वजह से लोग उनके दीवाने हैं।

अब जब 2023 खत्म होने की कगार पर है तो हम आपको कुछ ऐसी अभिनेत्री के लुक्स दिखाएंगे जो इस साल ट्रोलर्स के निशाने पर रहीं।

उनके आउटफिट ऐसे थे कि लोगों ने उन्हें जमकर ट्रोल किया। इस लिस्ट में मलाइका अरोड़ा से लेकर भूमि पेडनेकर तक का नाम शामिल है।

मलाइका अरोड़ा

एक्ट्रेस का ये लुक हाल ही में सामने आया था। सोशल मीडिया पर शेयर की गईं इन फोटोज में मलाइका ओपन व्हाइट कलर की शर्ट के साथ शॉर्ट स्कर्ट पहने दिखीं। एक्ट्रेस की ये शर्ट इतनी ज्यादा एक्सपोजिंग थी कि कैमरे में सब कुछ कैद हो रहा है। इस बोल्डनेक की वजह से लोगों ने उन्हें जमकर ट्रोल किया।

अपने लुक को पूरा करने के लिए मलाइका अरोड़ा बालों का टाइट बन और कान में डायमंड के इयररिंग्स पहने दिखीं। हालांकि उनका ये लुक काफी ज्यादा क्लासी है, लेकिन तस्वीरों के कमेंट सेक्शन में लोगों ने उन्हें सुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

दिशा पाटनी

इस साल नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर' का लॉन्च काफी बड़े स्तर पर हुआ था। इसके लॉन्चिंग इवेंट से दिशा पाटनी का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वह स्ट्रैपलेस ब्रालेट और रिवीलिंग साड़ी पहने हुए नजर आईं। बहुत से लोगों ने उनके इस बोल्ड लुक को बहुत पसंद किया लेकिन ज्यादातर लोगों ने इस लुक की जमकर खिल्ली उड़ाई। इवेंट के हिसाब से लोगों को उनका लुक पसंद नहीं आया।

हिना खान

टीवी से अपने करियर की शुरूआत करने वालीं हिना खान आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। जब उन्होंने इस रेड आउटफिट में अपनी तस्वीरें साझा कीं, तो लोगों ने उन्हें जमकर ट्रोल किया। हिना का इतना बोल्ड लुक लोगों को रास नहीं आया, जिस वजह से उन्हें ट्रोलर्स ने जमकर खरीखोटी सुनाई।

भूमि पेडनेकर

वैसे तो नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर की ओपनिंग में सितारों ने अपने शानदार लुक से महफिल लूट ली लेकिन इस इवेंट में भूमि पेडनेकर ने अपने आउटफिट और लुक से लोगों का ध्यान खींचा। सिल्वर कलर के आउटफिट में भूमि बेहद अलग दिख रही थीं। उनका लुक सामने आते ही लोगों ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया।

उर्वशी रौतेला

इस साल उर्वशी 76वें कांस फिल्म फेस्टिवल में क्लब जीरो की स्क्रीनिंग अटेंड करने पहुंची थीं।

इस इवेंट के लिए उन्होंने ग्रीन फैदर्ड गाउन पहना था। जब इस लुक की फोटोज सामने आईं तो लोगों ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया।

लोगों ने ये कहना शुरू कर दिया कि उर्वशी सबसे युवा महिला हैं जिन्होंने कांस में खुद को तोता घोषित किया है।

मापदंड पूरे होने के बावजूद OTP न मिलने से जवानों में रोष, पुलिस आयुक्त के ओएसडी को दिया ज्ञापन

ओटीपी नहीं मिलने से नाराज एक पुलिस जवान ने बताया कि वह सभी संबंधित अधिकारियों से मिल चुके हैं, मगर उन्हें कहीं से भी न्याय नहीं मिला है

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर ये रोष मानदंड पूरे होने के बावजूद बारी से पहले तरक्की (ओटीपी) नहीं देने से हैं। इनका आरोप है कि दिल्ली पुलिस की दो यूनिट स्पेशल सेल व अपराध शाखा के सभी पुलिस जवानों को ओटीपी दे दिया गया है जबकि विभिन्न जिलों व यूनिटों में तैनात इन जवानों को ओटीपी नहीं दिया गया है। दिल्ली पुलिस के काफी जवानों में इन दिनों भारी असंतोष है। ये रोष मापदंड पूरे होने के बावजूद बारी से पहले तरक्की (ओटीपी) नहीं देने से हैं। इन पुलिसकर्मियों का आरोप है कि दिल्ली पुलिस की दो यूनिट स्पेशल सेल व अपराध शाखा के सभी पुलिस जवानों को ओटीपी दे दिया गया है, जबकि विभिन्न जिलों व यूनिटों में तैनात अन्य जवानों को ओटीपी नहीं दिया गया है। इन पुलिस जवानों ने दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा के ऑफिसर ऑफ स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी) मनीषी चंद्रा व विशेष पुलिस आयुक्त, प्रशासन आर एस कृष्णैया के सामने अपने बात रखी है। साथ ही इन पुलिस अधिकारियों को ज्ञापन देकर अपनी बात रखने के लिए समय मांगा है। ओटीपी नहीं मिलने से नाराज एक पुलिस जवान ने बताया कि वह सभी संबंधित अधिकारियों से मिल चुके हैं, मगर उन्हें कहीं से भी न्याय नहीं मिला है। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिल्ली पुलिस में तीन तरह से पहला, 80 भगोड़ा बदमाश (पीओ) पकड़ पर, दूसरा, गायब हुए 60 बच्चों को ढूंढने पर और तीसरा, बहादूरीपूर्ण कार्य करने पर ओटीपी दिया जाता है। 80 भगोड़ा बदमाशों में 40 गंभीर अपराधों के और 40 साधारण अपराध के पीओ होना चाहिए। दिल्ली पुलिस अधिकारियों के अनुसार तय मानदंडों के अनुसार भगोड़ा बदमाश पकड वाले 37 और गायब हुए बच्चों को ढूंढने वाले 46 पुलिस जवानों की फाइल पुलिस हैडक्वाटर गई थी। इन सभी को मिलकर बहादूरी पूर्ण कार्य करने वाले पुलिस जवानों समेत कुल 340 जवानों की फाइल हैडक्वाटर गई थी। इनमें से बहादूरीपूर्ण कार्य करने वाले अपराध शाखा व स्पेशल सेल के करीब-करीब सभी पुलिस जवानों को ओटीपी दे दिया गया। पीओ पकड वाले और गायब बच्चों को ढूंढने वाले सिर्फ ६ पुलिस जवानों को ओटीपी दिया गया है। ऐसे में ओटीपी नहीं मिलने पर भारी रोष है। इन पुलिसकर्मियों को कहना है कि डीपीसी की बैठक दो साल बाद हुई थी। ऐसे में पहले ही उनका ओटीपी दो वर्ष लेट हो गया है। बताया जा रहा है कि एक यूनिट में तैनात तीन ड्राइवर को भी ओटीपी दिया गया है। उन्हें हवलदार से एएसआई बनाया गया है। 81 भगोड़ा बदमाशों को पकडवाली दिल्ली पुलिस व देश की पहली महिला सिपाही कुमारी नीरज को भी ओटीपी नहीं दिया गया है। ओएसडी को दिया गया ज्ञापन भगोड़ा बदमाश पकडवाले पुलिस जवानों ने पुलिस आयुक्त के ओएसडी मनीषी चंद्रा को दिए गए ज्ञापन में कहा है कि वह दिल्ली पुलिस के स्टेडिंग ऑर्डर 17/22 के तहत 80 पीओ पकड़ चुके हैं। सभी ने अपनी फाइल कोर्डिनेशन ब्रांच में भेज दी थी। इसके बावजूद दो हवलदार को ही ओटीपी दिया गया है। सभी पुलिस जवानों ने उनसे मिलने का समय मांगा है।

बुलडॉग-पिटबुल जैसी खतरनाक नस्ल के कुत्तों पर लग सकता है प्रतिबंध, केंद्र को तीन माह का अल्टीमेटम

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर दिल्ली उच्च न्यायालय ने कुत्तों की खतरनाक नस्लों के लाइसेंस पर प्रतिबंध लगाने पर निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। हाईकोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को तीन महीने का अल्टीमेट दिया है। उच्च न्यायालय ने बुधवार को केंद्र सरकार को कुत्तों की खतरनाक नस्लों को रखने के लाइसेंस पर प्रतिबंध लगाने और रद्द करने के लिए एक ज्ञापन पर तीन महीने के भीतर निर्णय लेने का निर्देश दिया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन व मिनी पुष्करणा की पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा कि अधिकारियों को इस मुद्दे पर निर्णय लेने दें, क्योंकि वे ही संबंधित कानूनों और विनियमों का मसौदा तैयार करते हैं। कुत्तों की स्थानीय नस्लों को बढ़ावा देने की आवश्यकता सुनवाई के दौरानअदालत ने कुत्तों की स्थानीय नस्लों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। कहा कि भारतीय नस्लों का ध्यान रखने की जरूरत है। वे कहीं अधिक मजबूत हैं। वे आसानी से बीमार नहीं पड़ते, क्योंकि वे स्थानीय परिस्थितियों के अभ्यस्त हो गए हैं। आज हम स्थानीय लोगों के लिए मुखर हैं। केंद्र सरकार के वकील ने कहा कि ज्ञापन पहले ही संबंधित विभाग को भेजा जा चुका है और हितधारकों के साथ परामर्श के बाद इस पर निर्णय लिया जाएगा। पांच अक्तूबर को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने इस मुद्दे पर याचिकाकर्ता की जनहित याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था और कहा था कि उन्हें अपनी शिकायत के साथ पहले सरकारी अधिकारियों के पास जाना चाहिए। अपनी याचिका में कानूनी वकील और बैरिस्टर लॉ फर्म ने आरोप लगाया था कि बुलडॉग, रॉटवीलर, पिटबुल, टेरियर्स, नीपोलिटन मास्टिफ जैसी नस्ल के कुत्ते खतरनाक कुत्ते हैं और भारत सहित 12 से अधिक देशों में प्रतिबंधित हैं, लेकिन दिल्ली नगर निगम अभी भी इन्हें पंजीकरण कर रहा है। याचिका में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि ऐसी नस्ल के कुत्तों द्वारा अपने मालिकों सहित लोगों पर हमला करने की कई घटनाएं हुई हैं। इन पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

छह साल के मासूम को नगर पालिका की गाड़ी ने कुचला, आरोपी फरार; गुस्साए परिजन धरने पर बैठे

लोनी कोतवाली क्षेत्र के निठोरा गांव मार्ग स्थित सड़क किनारे खेल रहे 6 साल के मासूम को नगर पालिका की कूड़े की गाड़ी में कुचल दिया। चालक कूड़े की गाड़ी मौके पर छोड़कर फरार हुआ। कार्रवाई की मांग को लेकर परिवार के लोग वहीं सड़क पर धरने पर बैठ गए।

करीब 3:30 घंटे बाद अधिकारियों के आश्वासन पर लोग सड़क से हटे। गोरी पट्टी कॉलोनी में वाहिद परिवार के साथ रहते हैं। वह मजदूरी करते हैं। उनका 6 वर्ष का बेटा वासिल कूड़े की गाड़ी की चपेट में आया था।

डीयू ने अकादमिक परिषद के विरोध के बाद रणनीतिक योजना

परिषद के सदस्यों ने विश्वविद्यालय के लिए रणनीतिक योजना में कई मुद्दों का जिक्र करते हुए एक असहमति पत्र सौंपा जिसमें दस्तावेज में सामग्री की साहित्यिक चोरी जैसे आरोप शामिल हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की संशोधित रणनीतिक योजना (2022-2047) पर विचार करने के लिए बुधवार को बुलायी गयी अकादमिक परिषद की आकस्मिक बैठक में निर्वाचित सदस्यों की असहमति के बाद प्रस्तावित दस्तावेज को वापस ले लिया गया। अधिकारियों के अनुसार, रणनीतिक योजना में संशोधन किया जाएगा और उसे मंजूरी के लिए अकादमिक परिषद में फिर से पेश किया जाएगा। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति योगेश सिंह ने परिषद के सदस्यों से मसौदे की भाषायी बारीकियों पर विचार करने के लिए गठित समिति को दृष्टिपत्र पर अपने सुझाव देने को कहा है। समिति को सुझावों के आधार पर दस्तावेज में संशोधन करने और उसे जल्द से जल्द परिषद के सदस्यों को सौंपने का निर्देश दिया गया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि रणनीतिक योजना का संशोधित दस्तावेज अकादमिक परिषद की अगली बैठक में पेश किया जाएगा। परिषद के सदस्यों ने विश्वविद्यालय के लिए रणनीतिक योजना में कई मुद्दों का जिक्र करते हुए एक असहमति पत्र सौंपा जिसमें दस्तावेज में सामग्री की साहित्यिक चोरी जैसे आरोप शामिल हैं। इसके साथ ही शिक्षकों ने विश्वविद्यालय के दृष्टि पत्र के संबंध में कई चिंताएं उठाते हुए कहा कि इससे किसी सरकारी वित्त पोषण वाले संस्थान में संभावित फीस वृद्धि, व्यावसायीकरण और शिक्षा के निजीकरण का मार्ग प्रशस्त होता है।

दिल्ली में सुबह ठंड रही, वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में

अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 297 था।

दिल्ली में बृहस्पतिवार की सुबह ठंड महसूस की गई और कोहरा छाया रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 97 प्रतिशत थी।

अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 297 था।

शून्य और 50 के बीच एक एक्यूआई को अच्छा, 51 और 100 के बीच संतोषजनक, 101 और 200 के बीच मध्यम, 201 और 300 के बीच खराब, 301 और 400 के बीच बहुत खराब और 401 और 500 के बीच गंभीर श्रेणी में माना जाता है।

पिकअप और बाइक की भिड़ंत में तीन की मौत, अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक अन्य की गई जान

वह बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में कुचेसर रोड चौपला पर पहुंचे तो दूध की पिकअप गाड़ी ने सामने से बाइक सवारों में टक्कर मार दी।

एनटीवी

हापुड़ बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में बुधवार की रात को कुचेसर रोड चौपला पर दूध की पिकअप गाड़ी और बाइक की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, एक अन्य हादसे में एक शख्स की मौत हो गई। बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में बुधवार की रात को कुचेसर रोड चौपला पर दूध की पिकअप गाड़ी और बाइक की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार पप्पू कॉलोनी साहिबाबाद निवासी देवा, केशव और मेरठ जनपद के गोविंदपुरी माछरा निवासी आकाश बाइक पर सवार होकर गढ़मुक्तेश्वर की तरफ से शादी समारोह में हिस्सा लेकर लौट रहे थे। जैसे ही वह बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में कुचेसर रोड चौपला पर पहुंचे तो दूध की पिकअप गाड़ी ने सामने से बाइक सवारों में टक्कर मार दी। दुर्घटना की सूचना मिलने पर बाबूगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इस हादसे में देवा और केशव की मौत हो गई। जबकि आकाश को गंभीर हालत में मेरठ के एक अस्पताल में ले जाया गया। जहां उसकी भी मौत हो गई। सूचना मिलने पर परिजन में कोहराम मच गया और आनन फानन में वह मौके पर पहुंचे ।बाबूगढ़ पुलिस का कहना है कि इस मामले की जांच की जा रही है। वहीं, अन्य घटना में मेरठ रोड पर ग्राम कैली के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से जनपद के गांव हाजीपुर निवासी नेत्रपाल बुधवार की रात को घायल हो गया। घायल को नगर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दिल्ली की सबसे बड़ी बहुमंजिला कार पार्किंग खुलने के लिए तैयार, ट्रायल रन शुरू

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर कहीं कोई कमी न रह जाए ये जांचने के लिए इसका ट्रायल रन शुरू किया गया है। दिल्ली की सबसे बड़ी बहुमंजिला कार पार्किंग चांदनी चौक गांधी मैदान में बनकर तैयार हो गई है, अगले हफ्ते तक इसे खोलने की तैयारी है। कहीं कोई कमी न रह जाए ये जांचने के लिए इसका ट्रायल रन शुरू किया गया है। यहां दो और चार पहिया वाहनों की फ्री पार्किंग हो रही है। इसके खुलने के बाद यहां एक साथ 2338 कारें पार्क हो पाएंगी। तब पार्किंग का शुल्क भी निर्धारित किया जाएगा। दिल्ली नगर निगम ने पीपीपी (सरकारी निजी सहयोग) आधार पर ये अत्याधुनिक छह मंजिला पार्किंग और शॉपिंग कॉप्लेक्स बनाया है। गांधी मैदान बहुमंजिला कार पार्किंग खुल जाने के बाद चांदनी चौक इलाके में पार्किंग की समस्या खत्म हो जाएगी। यहां पर कार पार्किंग करने के लिए आने पर अत्याधुनिक सुविधाओं का एहसास भी होगा। इस पार्किंग का तीन मंजिला भूतल पार्किंग के लिए होगा, एक तल व्यवसायिक गतिविधियों के लिए आरक्षित रहेगा। सबसे ऊपर की दो मंजिलें शॉपिंग कॉम्प्लेक्स होंगी। पार्किंग के अंदर अलग-अलग ब्लॉक, अग्निशमन के अत्याधुनिक संयंत्र, फायर एलार्म, सभी मंजिलों पर आने जाने के लिए लिफ्ट, एलईडी लाइटें इत्यादि अत्याधुनिक सुविधाओं का एहसास कराएंगी। एमसीडी ने समझौते के तहत ओमेक्स के सहयोग से 18524 वर्गमीटर क्षेत्रफल ये बहुमंजिला कार पार्किंग व शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाया है। इसके 75 फीसदी जगह का उपयोग निगम करेगा और 25 फीसदी जगह ओमेक्स उपयोग करेगा। इस पर सहमति बन गई है। फास्टैग से पार्किंग शुल्क का भुगतान यहां कार पार्किंग के लिए आने पर लोगों के समय की बचत होगी। पार्किंग शुल्क का भुगतान करने लिए फास्टैग की सुविधा मिलेगी। निगम अधिकारियों ने कहा है कि मानव हस्तक्षेप नहीं होने से पार्किंग में न केवल समय की बचत होगी, बल्कि किसी भी प्रकार से भ्रष्टाचार होने की संभावना भी न के बराबर होगी। पार्किंग के रखरखाव की जिम्मेदारी पूरी तरह से निर्माण कंपनी ओमेक्स की होगी। पार्किंग के लिए आने पर किसी प्रकार की समस्या होने पर इसका समाधान निगम की तरफ से किया जाएगा।

थाने से कुछ दूर युवक की चाकू मारकर हत्या, सिगरेट के पैसे मांगने पर दुकानदार को गोली मारी

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर राहगीरों ने खून से लथपथ युवक को देखा तो मामले की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे बाबू जग जीवन राम अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। नरेला औद्योगिक क्षेत्र में थाने से चंद कदमों की दूरी पर एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। राहगीरों ने खून से लथपथ युवक को देखा तो मामले की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे बाबू जग जीवन राम अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। मृतक की पहचान बड़े उर्फ गालिफ राजा उर्फ सैंपल के रूप में हुई। वह नरेला की एक फैक्टरी में काम करता था। क्राइम टीम के अलावा एफएसएल ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस हमलावरों की पहचान के प्रयास कर रही है।बुधवार शाम करीब साढ़े छह बजे पुलिस को खबर मिली थी कि नरेला औद्योगिक क्षेत्र में थाने वाली रोड पर खून से लथपथ एक युवक का शव पड़ा है। खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। घायल को अस्पताल पहुंचाया गया, वहां पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। सिगरेट के पैसे मांगने पर दुकानदार को गोली मारीसागरपुर में सिगरेट के पैसे मांगने पर बदमाशों ने दुकानदार को गोली मार दी। हमले के बाद आरोपी फरार हो गए। गंभीर हालत में पीड़ित मोहम्मद इरफान को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। उसके घुटने की सर्जरी हुई है। पुलिस को दिए बयान में इरफान ने बताया कि मास्क लगाए तीन लड़कों ने वारदात को अंजाम दिया। क्राइम टीम के अलावा एफएसएल ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

अब गाजियाबाद से जेवर एयरपोर्ट तक दौड़ेगी, 2031 तक फर्स्ट फेज पूरा करने का टारगेट, जानें रूट और अन्य जानकारी

एनटीवी

गाजियाबाद से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर तक रैपिड रेल तक का ये कॉरिडोर लगभग 72.2 किलोमीटर लंबा होने वाला है। इस कॉरिडोर में कुल 12 स्टेशन बनाए जाने प्रस्तावित है। इसका पहला फेज ग्रेटर नोएडा में 60 हेक्टेयर जमीन पर बनने जा रहा है। रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम का दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर का एक सेक्शन सफलतापूर्वक चल रहा है। ये सेक्शन गाजियाबाद से दुहाई के बीच चालू किया गया है। इस सेक्शन में सफलतापूर्वक रैपिड रेल चलाई जा रही है। इसी बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने गाजियाबाद से नोएडा एयरपोर्ट के बीच रैपिड रेल के नए कॉरिडोर को चलाने का फैसला किया है। इस कॉरिडोर के निर्माण के लिए मंजूरी मिल गई है। गाजियाबाद से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर तक रैपिड रेल तक का ये कॉरिडोर लगभग 72.2 किलोमीटर लंबा होने वाला है। इस कॉरिडोर में कुल 12 स्टेशन बनाए जाने प्रस्तावित है।इसका पहला फेज ग्रेटर नोएडा में 60 हेक्टेयर जमीन पर बनने जा रहा है। इसके लिए जमीन को अधिग्रहित किया जाना है। बता दें कि इस कॉरिडोर पर छह कोच की ट्रेनों का संचालन होगा। शुरूआत में ट्रेनों की फ्रीक्वेंसी नौ मिनट की होगी, जबकि बाद में इस फ्रीक्वेंसी को घटाकर चार से पांच मिनट किया जाएगा। नोएडा जेवर एयरपोर्ट तक जाएगी रैपिड रेल इस नोएडा एयरपोर्ट को रैपिड रेल से जोड़ने के लिए एनसीआरटीसी ने फिजिबिलिटी रिपोर्ट पेश कर दी है। इस रिपोर्ट में एनसीआरटीसी ने दो रूट भी सुझाए है। इसका एक रूट दिल्ली स्थित न्यू अशोक नगर से होगा जबकि दूसरा रूट गाजियाबाद से एयरपोर्ट तक का होगा। बता दें कि सोमवार को प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने प्राधिकरणों के साथ ऑनलाइन बैठक की थी। इस बैठक में गाजियाबाद से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक रैपिड रेल चलाने को मंजूरी दी गई है। पेश की गई रिपोर्ट के अनुसार गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा वेस्ट, ईस्ट और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र को ये रुट आपस में जोड़ेगा। बता दें कि इस कॉरिडोर का निर्माण दो फेज में किया जाना है। पहला फेज गाजियाबाद और इकोटेक-6 (कासना) के बीच बनाया जाएगा जो कुल 37.15 किलोमीटर का होगा। पहला कॉरिडोर बनने में 2031 तक का समय लगेगा ऐसे जारी होगा फंड नोएडा तक चलने वाली इस रैपिड रेल प्रोजेक्ट के लिए 50% फंड का भुगतान उत्तर प्रदेश सरकार करेगी।

दनकौर में ग्रामीणों का फरमान... कोर्ट मैरिज क्यों की, अब नहीं घुसने देंगे गांव में

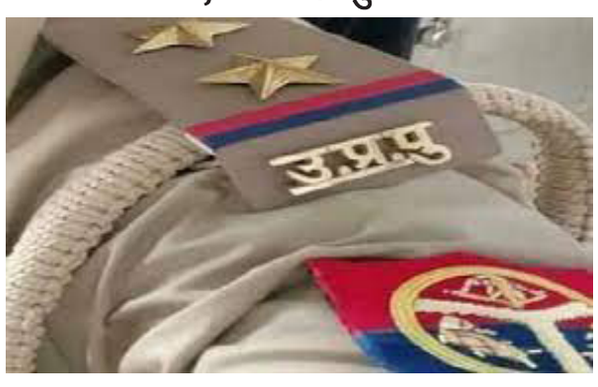

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर विरोध जताते हुए ग्रामीणों ने दोनों को गांव में नहीं घुसने का तुगलकी फरमान सुना डाला। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दोनों को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया है। दनकौर में कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में प्रेमी युगल ने परिजनों की मर्जी के खिलाफ कोर्ट मैरिज कर ली। विरोध जताते हुए ग्रामीणों ने दोनों को गांव में नहीं घुसने का तुगलकी फरमान सुना डाला। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दोनों को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया है। प्रेमी युगल करीब दो माह पहले घर से अचानक लापता हो गया था। युवती के परिजन की शिकायत पर पुलिस युवक के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर दोनों की तलाश कर रही थी। बुधवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस दोनों को तलाश कर कोतवाली ले आई। प्रेमी युगल ने पुलिस को बताया कि वह दोनों बालिग हैं और गाजियाबाद कोर्ट में शादी कर ली है। इसके बाद दोनों के परिजन भी कोतवाली पहुंच गए। दोनों ही पक्षों के लोगों ने समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन वह एक साथ रहने की जिद पर अड़े रहे। बाद में दोनों के परिजन और अन्य ग्रामीणों ने उन्हें गांव में नहीं घुसने की नसीहत दे डाली। पुलिस ने प्रेमी युगल को किसी सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया है। इस घटना के बाद दोनों पक्षों में विवाद की स्थिति बनी हुई है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि दोनों बालिग है, वह एक साथ रहना चाहते हैं। दोनों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है।

थाइलैंड से वाया मणिपुर भारत में पहुंच रहे हैं मादक पदार्थ, छह तस्कर गिरफ्तार, आरोपियों में दो छात्र

अपराध शाखा के विशेष पुलिस आयुक्त रविंद्र सिंह यादव के अनुसार, सूचना मिली थी कि दिल्ली के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में तस्कर सक्रिय हैं।

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर आरोपियों में एक छात्र नोएडा स्थित एमिटी विश्वविद्यालय का बीबीए का पूर्व छात्र लक्ष्य भाटिया है, जबकि दूसरा दिल्ली स्थित सूरजमल इंस्टीट्यूट से बीबीए कर रहा है।दिल्ली पुलिस ने मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर दो छात्रों सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में एक छात्र नोएडा स्थित एमिटी विश्वविद्यालय का बीबीए का पूर्व छात्र लक्ष्य भाटिया है, जबकि दूसरा दिल्ली स्थित सूरजमल इंस्टीट्यूट से बीबीए कर रहा है। आरोपी दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद व गुरुग्राम समेत अन्य जगहों के शैक्षणिक संस्थानों में मादक पदार्थ बेचते थे। ग्राहकों से संपर्क का माध्यम सोशल मीडिया प्लेटफार्म था। देश में मादक पदार्थ थाइलैंड से मंगाकर खेप मणिपुर से उत्तर भारत के राज्यों में पहुंचती थी। अपराध शाखा के आरोपियों के कब्जे से 48 किलोग्राम गांजा, 15 ग्राम एमडीएमए व 1,200 ग्राम जैविक गांजा बरामद किया है। अपराध शाखा के विशेष पुलिस आयुक्त रविंद्र सिंह यादव के अनुसार, सूचना मिली थी कि दिल्ली के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में तस्कर सक्रिय हैं। मोती नगर स्थित डीएलएफ कैपिटल ग्रीन्स के एक घर से नशे का कारोबार चल रहा है। गिरोह मणिपुर और शिलांग से रेल के जरिये गांजा व थाईलैंड से विमान के जरिये जैविक गांजा मंगाता है। इसके बाद टीम ने दबिश देकर मणिपुर निवासी नोंगमैथम जशोबंता सिंह (36) और थियम रबिकांत सिंह (32) को गिरफ्तार कर लिया। दोनों साथी रुद्रांश गुप्ता को गांजा आपूर्ति करते थे। नोंगमैथम की निशानदेही पर सेक्टर-31, गुरुग्राम निवासी रुद्रांश गुप्ता को भी गिरफ्तार कर लिया गया। रुद्रांश दो वर्षों से तस्करी में संलिप्त है। तीनों आरोपियों से पूछताछ के बाद रामा पार्क, उत्तम नगर, दिल्ली निवासी लक्ष्य भाटिया व सेक्टर-4, द्वारका निवासी गिरिक अग्रवाल और रोशन नगर, थाना रावतपुर, कानपुर निवासी खालिद को गिरफ्तार कर कब्जे से मादक पदार्थ बरामद कर लिए। सोशल मीडिया से फैला नेटवर्क, कूरियर से आपूर्ति जशोबंता के पास मणिपुर से गांजा और थाईलैंड से जैविक गांजा आता था। फिर इसे बेचने के लिए रुद्रांश गुप्ता व अन्य आरोपियों को सौंपा जाता था। रुद्रांश विभिन्न विश्वविद्यालयों में व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम और फेसबुक आदि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से ग्राहकों से संपर्क करता था। ऑर्डर मिलने पर उसी दिन आपूर्ति करने वाली कूरियर सेवा पोर्टर, वी-फास्ट आदि की मदद से ग्राहकों को भेज देता था। आरोपी यूपीआई से बैंक खाते में भुगतान लेता था। विवि में पढ़ाई के दौरान शुरू की तस्करीलक्ष्य शुरू में खुद शौक पूरा करने के लिए मादक पदार्थ खरीदता था। इस दौरान उसकी पहचान गिरोह से जुड़े खालिद जफर से हुई। वह तीन साल से छात्रों को गांजा आदि आपूर्ति कर रहा है। लक्ष्य ने गिरिक के माध्यम से खालिद से मादक पदार्थ खरीदे फिर दिल्ली और नोएडा के विभिन्न विश्वविद्यालयों में सोशल मीडिया के जरिये आपूर्ति करने लगा। खालिद कानपुर निवासी शाश्वत से मादक पदार्थ खरीदता था और लक्ष्य के माध्यम से एमिटी के छात्रों को आपूर्ति करता था। नाइजीरियाई और छात्रों को गांजा बेचने वाले समेत तीन गिरफ्तार ग्रेटर नोएडा। थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने बुधवार को शारदा गोलचक्कर से एलजी गोलचक्कर की तरफ बंद रास्ते के पास गांजा तस्कर एटा निवासी संदीप का गिरफ्तार कर एक किलो 450 ग्राम गांजा बरामद किया है। संदीप ग्रेनो वेस्ट की एक सोसाइटी से किसी व्यक्ति से गांजा लाकर नाइजीरियाई व छात्रों को नॉलेज पार्क क्षेत्र में आकर बेचता है। आरोपी गांजा खरीदने वाले विदेशी व छात्रों की मांग पर गांजा बेचने आता था। इसके अलावा थाना बीटा-2 पुलिस ने चोरी की फर्जी नंबर प्लेट लगी बाइक से गांजा तस्करी करने वाले देवन शर्मा और बंटी को गिरफ्तार किया है। आरोपी आरोपियों के कब्जे से तीन किलो 200 ग्राम गांजा बरामद किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

मालगाड़ी के आगे कूदकर युवक ने दी जान

गाजियाबाद/मसूरी। मसूरी में गंगनहर लोहे के पुल के पास बुधवार को हर्ष उर्फ युवराज (21) निवासी पुरखोत्तमपुर, रेवाड़ी, हरियाणा ने मालगाड़ी के सामने कूदकर जान दे दी। पुलिस के मुताबिक, हर्ष ने पारिवारिक कलह में यह कदम उठाया है। युवराज की पांच माह पहले ही शादी हुई थी।एसीपी मसूरी नरेश कुमार ने बताया कि लोहे के पुल के पास एक युवक के आत्महत्या करने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी। दिलीप कुमार निवासी मसूरी ने शव की पहचान की। पूछताछ में पता चला कि हर्ष की पांच माह पहले दिलीप कुमार की बेटी से शादी हुई थी। करीब डेढ़ माह पहले वह अपनी ससुराल आ गया था और अलग कमरा लेकर अपनी पत्नी के साथ रह रहा था। फिलहाल वह धौलाना की गत्ता फैक्टरी में काम कर रहा था। मालगाड़ी के चालक ने भी उसके हटने के लिए हॉर्न बजाया, लेकिन युवक ट्रैक से अलग नहीं हटा।

ईंट मारकर फोड़ दी युवक की आंख

गाजियाबाद। सिहानीगेट थाना क्षेत्र में बस अड्डे के पास सड़क किनारे शौच कर रहे युवक की चाय विक्रेता ने ईंट से हमला कर आंख फोड़ दी। मसूरी निवासी शहीद ने बताया कि वह काम करने के बाद रात को अपने घर लौट रहा था। पुराना बस अड्डा के पास वह शौच करने के लिए रुक गए। इस पर चाय विक्रेता ने विरोध किया और गाली देनी शुरू कर दी। आरोप है कि चाय विक्रेता व उसके बेटे ने उस पर ईंट से हमला कर दिया। मामले में उन्होंने सिहानीगेट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है कि चाय विक्रेता आए दिन लोगों के साथ गाली गलौज करता रहता है। एसीपी रवि कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

गोगामेड़ी की हत्या के विरोध में धरना, पुलिस से नोकझोंक

साहिबाबाद। राजस्थान में करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के विरोध में बुधवार को करहेड़ा के पृथ्वीराज चौहान गेट पर संगठन और समाज के लोगों ने धरना दिया। धरने के लिए टेंट लगाने को लेकर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच नोकझोंक भी हुई। पुलिस ने बिना अनुमति टेंट नहीं लगने दिया। हंगामे के कारण हिंडन एयरपोर्ट रोड पर जाम जैसे हालात बन गए।

करहेड़ा के मुख्य द्वार के पास समाज के लोगों ने बुधवार को अनिश्चितकालीन धरना देने के लिए बैनर लगा दिए थे। टेंट लगाने की तैयारी चल रही थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बिना अनुमति टेंट लगाने से मना कर दिया। इस बात को लेकर संगठन और समाज के लोगों से पुलिस की कहासुनी हो गई। हंगामे के बीच पुलिस ने टेंट नहीं लगने दिया। पुलिस के लौटने पर प्रदर्शनकारी सड़क किनारे धरना देकर बैठ गए। समाजसेवी चिराग चौहान ने आरोप लगाया कि हिंडन एयरफोर्स चौकी प्रभारी ने समाज के लोगों से अभद्रता की, जबकि लोग शांतिपूर्ण तरीके से धरना देने आए थे। बृहस्पतिवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपे जाने को लेकर मंथन किया गया। संगठन और समाज के लोगों ने घटना की निंदा करते हुए हत्यारोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की है। इस दौरान नुदल सिंह, नरेंद्र, सत्येंद्र, महेंद्र चौहान, कृष्ण, अंकित, मोनू, संदीप आदि मौजूद रहे।

अर्धनग्न अवस्था में नाले में मिला युवक का शव

साहिबाबाद। शालीमार गार्डन के करनगेट चौकी क्षेत्र में बुधवार सुबह नाले में युवक का अर्धनग्न अवस्था में शव पड़ा मिला। कूड़ा बीनने वालों ने सबसे पहले शव को देखा और पुलिस तक सूचना पहुंची। पुलिस ने शव की पहचान के लिए आसपास के लोगों से संपर्क किया, शिनाख्त नहीं हो पाई। एसीपी शालीमार गार्डन सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि युवक ने काले रंग की पेंट और बेल्ट लगा रखी थी। उसके शरीर के ऊपरी हिस्से पर कोई कपड़ा नहीं था, जबकि शव के पास एक फटी हुई मटमैले रंग की टी-शर्ट पड़ी मिली है। शरीर पर चोट का कोई निशान नहीं है। उसकी उम्र 18 से 20 वर्ष के बीच होने का अनुमान है। पहचान के लिए गाजियाबाद के थानों के अलावा दिल्ली पुलिस को भी जानकारी दी गई है। 48 घंटे में मिला दूसरा शव टीएचए में 48 घंटे के भीतर दूसरा अज्ञात शव मिला है। मंगलवार को कनावनी ग्रीन बेल्ट में युवक शव मिला था। पुलिस दोनों में से किसी भी शव की शिनाख्त नहीं कर सकी है। कमिश्नरेट के अधिकारी प्रत्येक जोन में रातभर जोनल चेकिंग अभियान चलाने का दावा कर रहे हैं, लेकिन 48 घंटे में दो अज्ञात शव मिलने के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में हैं।

गोविंदपुरम मंडी से पुल तक तीन मीटर चौड़ी होगी सड़क, जीटी रोड की भी होगी मरम्मत

- इस मार्ग को सात मीटर से बढ़ाकर 10 मीटर चौड़ा किया जाएगा। नौ मीटर की डेंस की सड़क होगी और एक मीटर इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाई जाएंगी।

एनटीवी

गाजियाबाद। गोविंदपुरम अनाज मंडी से डासना पुल तक और अर्थला व मोहननगर मेट्रो स्टेशन के आसपास लगने वाले ट्रैफिक जाम से जल्द ही लोगों को राहत मिल जाएगी। पीडब्ल्यूडी अनाज मंडी से डासना पुल तक करीब दो किलोमीटर लंबी सड़क को तीन मीटर चौड़ा करेगा। इसके साथ ही मोहननगर और अर्थला मेट्रो स्टेशन के पास टूटी सड़क की खोदाई कराकर यहां आरसीसी सड़क का निर्माण कराएगा। इसके अलावा साहिबाबाद, लोनी, धौलाना और मुरादनगर विधानसभा की 50 सड़कों की मरम्मत कराकर उन्हें दुरुस्त कराया जाएगा। सड़क के चौड़ीकरण और मरम्मत पर करीब 12 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। स्थानीय सांसद व केंद्रीय मंत्री वीके सिंह के प्रस्ताव पर लोक निर्माण विभाग ने इन सड़कों के पुनर्निर्माण और मरम्मत कराने पर स्वीकृति दी है। लालकुआं से अप्सरा बॉर्डर तक जीटी रोड को पीडब्ल्यूडी ने एनएचएआई को हस्तांतरित कर दिया हैं और इसके चौड़ीकरण के लिए एनएचएआई ने करीब 650 करोड़ की डीपीआर बनाकर स्वीकृति के लिए अपने मुख्यालय भेजी हुई है। इसकी वजह से फिलहाल पीडब्ल्यूडी और एनएचएआई दोनों ही विभाग इस मार्ग के गड्ढे भरने पर फंड खर्च नहीं कर रहे थे और वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। लोगों की शिकायत पर सांसद ने इस मार्ग को दुरुस्त करने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों की मरम्मत कराने के लिए लोक निर्माण विभाग के स्थानीय कार्यालय व मंत्री को प्रस्ताव भेजे थे। 10 मीटर चौड़ी होगी अनाज मंडी से पुल तक की सड़क पीडब्ल्यूडी ने हापुड़ चुंगी से अनाज मंडी तक की सड़क का चौड़ीकरण

तो पूर्व में करा दिया था लेकिन अनाज मंडी से डासना पुल तक की सड़क महज सात मीटर चौड़ी है। इस क्षेत्र में कई हाउसिंग सोसायटियां बन जाने और व्यावसायिक क्षेत्र विकसित हो जाने के कारण अब पुलिस लाइंस, इंद्रगढ़ी के आसपास जाम लगने लगा है। पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता रामराजा ने बताया कि करीब दो किलोमीटर लंबे इस मार्ग को सात मीटर से बढ़ाकर 10 मीटर चौड़ा किया जाएगा। नौ मीटर की डेंस की सड़क होगी और एक मीटर इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाई जाएंगी। इसके साथ ही टूटे डिवाइडर की मरम्मत कराई जाएगी। और इसकी वजह से जाम लगता है। पीडब्ल्यूडी इन दोनों मेट्रो स्टेशनों के नीचे राजेंद्र नगर मेट्रो स्टेशन के नीचे की तरह आरसीसी सड़क का निर्माण कराएगा। इसके साथ ही इस मार्ग पर जगह-जगह हो चुके गड्ढों को भरकर सड़क का पुनर्निर्माण कराया जाएगा। मोहननगर से मेरठ तिराहा तक विशेष मरम्मत कराकर डिवाइडर की रंगाई पुताई भी कराई जाएगी। इसके बाद इस मार्ग पर लगने वाले जाम से भी काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। इसी के साथ ज्ञानी बॉर्डर से मोहननगर तक की सड़क की भी मरम्मत कराई जाएगी। इस मार्ग को दुरुस्त करने पर करीब दो करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वीवीआईपी मार्ग का होगा पुनर्निर्माण भोपुरा तिराहे से मोहननगर तक 5.40 किलोमीटर लंबे मार्ग को भी दुरुस्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हिंडन सिविल टर्मिनल पर सरकारी विमान से उतरकर इसी वजीराबाद रोड से एलिवेटेड रोड पर और फिर दिल्ली तक जाते-आते हैं। इसी कारण वीवीआईपी मार्ग बन चुकी इस सड़क के सभी गड्ढे भरकर पुनर्निर्माण कराया जाएगा। इस मार्ग के डिवाइडर और फुटपाथ की भी रंगाई-पुताई कराई जाएगी। इन मार्ग की भी होगी मरम्मत - एनएच-9 डासना से कनौजा, हिसाली होते हुए सलेमाबाद झाल मार्ग। - डासना-इकला-इनायतपुर मार्ग। - मटियाला से निगरावटी मार्ग। - दिल्ली-यमुनौत्री मार्ग से लोनी-रटोल मार्ग पर मरम्मत। - लोनी से चिरौड़ी मार्ग। - मेवला भट्टी से फरूखनगर-सिरोरा मार्ग।

तमंचे के बल पर कविनगर औद्योगिक क्षेत्र में व्यापारी से लूट

एनटीवी

गाजियाबाद। कविनगर औद्योगिक क्षेत्र में तमंचे के बल पर व्यापारी को कार में बंधक बनाकर लाखों की रकम, मोबाइल व अन्य सामान लूटने की घटना सामने आई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी। हालांकि, रकम कितनी थी इसकी जानकारी व्यापारी ने पुलिस को नहीं दी। पुलिस ने कविनगर औद्योगिक क्षेत्र और दिल्ली- मेरठ एक्सप्रेसवे पर लगे कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। रकम हवाला की बताई जा रही है। घटना बुधवार देर शाम की है।साहिबाबाद के इंदिरापुरम निवासी निशांत कार से बुधवार शाम को कविनगर औद्योगिक क्षेत्र में गए थे। उन्होंने पुलिस को सूचना दी कि वह एक फैक्टरी के बाहर अपनी कार में बैठे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने तमंचे के बल पर उनको बंधक बनाकर लाखों की रकम लूट ली और उनके मोबाइल व अन्य सामान भी लुटेरे साथ ले गए। लूट का विरोध करने पर उनकी कनपटी पर तमंचा रख दिया। हालांकि, जिस तरह से घटना को अंजाम दिया गया है, उससे माना जा रहा है कि आरोपियों को पूरी स्थिति की पहले से जानकारी थी। पुलिस को घटना में किसी करीबी के हाथ होने का शक है। शिकायतकर्ता ने भी कुछ नाम पुलिस को इस संबंध में बताए हैं। इस बारे में एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। रकम कितनी है, इसकी पुलिस को भी कोई जानकारी नहीं दी गई है।

स्पेशल टीम करेगी स्क्रैप चोरी के मामले की जांच

- कोर्ट ने सभी लोगों को जेल भेज दिया था। लेकिन इसमें लगातार जांच को प्रभावित करने की अधिकारियों को शिकायतें मिल रही थीं।

एनटीवी

गाजियाबाद। करीब एक माह पूर्व रेलवे स्टेशन के इलेक्ट्रिक लोकोशेड में हुई स्क्रैप चोरी के मामले की जांच के लिए आरपीएफ के सीनियर कमांडेंट एस सुधाकर ने स्पेशल टीम का गठन किया है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, स्थानीय स्तर पर चल रही जांच को आरोपी प्रभावित कर रहे थे। मामले में क्लीनचिट पाने के लिए लगातार उनके स्तर से जांच अधिकारी पर दबाव बनाया जा रहा था। इलेक्ट्रिक लोको शेड से तीन लाख से ज्यादा का स्क्रैप चोरी करने के मामले में विजिलेंस की टीम ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस आधार पर सीनियर सेक्शन इंजीनियर आरपी मीना, स्टोर वेरीफाइड टीआर मीना, ठेकेदार असगर समेत 10 लोगों

को आरपीएफ ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट ने सभी लोगों को जेल भेज दिया था। लेकिन इसमें लगातार जांच को प्रभावित करने की अधिकारियों को शिकायतें मिल रही थीं। सीनियर कमांडेंट एस. सुधाकर की टीम सभी नामजदों के बयान दर्ज करने के साथ ही जिस कैंटर में 30 की बजाय 40 टन माल भरा गया था। उसके मालिक, ठेकेदार और अन्य लोगों के खिलाफ साक्ष्य जुटा रही है। अभी इस मामले में चार्जशीट दाखिल करने में एक माह का समय लग सकता है। फर्म के मालिक को मिली है अंतरिम जमानतजिस फर्म के नाम से 30 टन स्क्रैप खरीदने का ठेका लिया गया था, उसका मालिक व तीन अन्य लोग अंतरिम जमानत पर बाहर हैं। कोर्ट का आदेश भी जांच टीम को मिला है। जांच में पता चला है कि ये सभी लोग स्क्रैप कैंटर में भरवाते वक्त मौके पर मौजूद थे।

सेक्टर-137 के पार्क में होगा डॉग शो

नोएडा। जल्द ही सेक्टर-137 के पार्क में डॉग शो आयोजित होगा। इसके अलावा कुत्तों के खेलने के लिए उपकरण भी लगेंगे। प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने बुधवार को डॉग पार्क के निरीक्षण के बाद इसके कायाकल्प के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि तैयारी पूरी होने के बाद लोगों को डॉग शो के लिए आमंत्रित किया जाएगा। पार्क में कुत्तों के लिए पेयजल की भी व्यवस्था होगी। साथ ही, पार्क की चहारदीवारी पर थीम पेंटिंग कराई जाएगी। यहां कुत्तों की आकृति के अलावा अन्य विषयों पर पेंटिंग होगी। सीईओ ने पार्क में वाहनों के साथ आने वाले कुत्तों के मालिकों के लिए जगह तलाशने के बाद पार्किंग की भी व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, डॉग पार्क के तालाबों को साफ कराने को कहा है, ताकि इसमें कुत्ते खेल सकें। तालाबों का पानी बदलने के अलावा दूसरे अन्य तरीके से भी सफाई कराने के आदेश दिए गए हैं। निरीक्षण के मौके पर उद्यान विभाग के जीएम, उप निदेशक खंड तृतीय, विद्युत यांत्रिक के वरिष्ठ प्रबंधक, सहायक निदेशक, सिविल एवं उद्यान विभाग के प्रबंधकों के अलावा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जूठी प्लेट से मेहमान के कपड़े हुए खराब तो वेटर की ले ली जान

- इस पर मनोज गुप्ता ने अमित और अजय को फोन करके बुलाया। मनोज के कहने पर दोनों ने पंकज को गढ़ी कटैया के जंगल में ले जाकर फेंक दिया।

एनटीवी

लोनी। सगाई समारोह में वेटर के रूप में काम कर रहे पंकज (26) की सिर्फ इतनी सी बात पर जान ले ली गई कि एक जूठी प्लेट दूल्हे के मौसेरे भाई के कपड़ों को छू गई और प्लेट में रखी सब्जी से उसके कपड़े खराब हो गए। इसी पर तिलमिलाए लोगों ने पंकज को बर्बरता से पीटा। मरणासन्न हालत में पहुंच जाने पर उसे ले जाकर गढ़ी कटैया के जंगल में फेंक दिया। वहां तड़पते हुए उसकी मौत हो गई।घटना खजुरी पुश्ता मार्ग स्थित मैरिज होम सीजीएस वाटिका में 17 नवंबर की शाम को हुई थी। 18 को गढ़ी कटैया के जंगल में शव मिला था। डीएलएफ की शंकर विहार कॉलोनी के निवासी पंकज के रूप में उसकी शिनाख्त 19 को हुई थी, लेकिन गेस्ट हाउस के संचालक से लेकर कर्मचारी तक ने हत्या के रहस्य पर अपनी खामोशी का पर्दा डाल रखा था।पुलिस ने समारोह में आए 40 लोगों से पूछताछ की, तब जाकर सच्चाई का पता चल सका। इसके बाद मैरिज होम के संचालक मनोज गुप्ता, कर्मचारी अमित और अजय को हिरासत में ले लिया। एक अन्य आरोपी ऋषभ फरार है। एसीपी रवि प्रकाश सिंह ने बताया कि तीनों ने अपना जुर्म कुबूल कर लिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पंकज की मौत का कारण सिर में गहरी चोट लगना आया था। शरीर पर चोटों के और भी निशान मिले। एसीपी ने घटनाक्रम के बारे में बताया कि सीजीएस वाटिका में लग्न सगाई का समारोह चल रहा था। पंकज ठेकेदार सर्वेश के माध्यम से आया था। उसे 500 रुपये मिलने थे। समारोह करीब छह बजे खत्म हो गया था। इसके बाद लड़के पक्ष के लोग शराब पी रहे थे। सात बजे पंकज इधर-उधर रखी जूठी प्लेट को इकट्ठा करने के बाद उठाकर ले जा रहा था। इसी दौरान एक प्लेट दूल्हे के मौसेरे भाई ऋषभ के कपड़ों पर लग गई। इसी पर उसने पंकज को पीटना शुरू कर दिया। इसका पता चलने पर मैरिज होम का संचालक विनोद गुप्ता भी पहुंच गया। ऋषभ के साथ वह भी पंकज को पीटने लगा। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि पंकज हाथ जोड़कर माफी मांगने लगा। उसने ऋषभ के पैर भी पकड़ लिए, लेकिन वे लोग उसे पीटते ही रहे। मरणासन्न हालत में पहुंचकर पंकज बेहोश हो गया और गिर पड़ा। इस पर मनोज गुप्ता ने अमित और अजय को फोन करके बुलाया। मनोज के कहने पर दोनों ने पंकज को गढ़ी कटैया के जंगल में ले जाकर फेंक दिया। वहां उसकी मौत हो गई। वेटर के परिवार पर बनाया समझौते का दबाव पंकज के परिजनों ने पुलिस को बताया कि हत्या के आरोपी उन पर दबाव बना रहे हैं। कह रहे हैं कि कुछ पैसे ले लो और लिखकर दे दो कि बेटे की मौत स्वभाविक हुई है, उसकी हत्या नहीं की गई। उन्होंने मना कर दिया, लेकिन वे लोग मान नहीं रहे। उनके घर पर कई लोग आ चुके हैं। इससे डरकर वे घर पर ताला लगाकर रिश्तेदार के यहां रह रहे हैं। उन्होंने अपने मोबाइल फोन भी स्विच ऑफ कर लिए हैं। पंकज के परिवार में पत्नी रचना और बेटी हरसिता है। करीब सात साल पहले पंकज की शादी हुई थी। एसीपी रवि प्रकाश सिंह ने बताया कि जिस वाटिका में समारोह चल रहा था, उस समारोह की वीडियो फुटेज भी देखी जा रही है।

शिक्षा विभाग ने गैर पंजीकृत 32 कोचिंग सेंटर बंद कराए

नोएडा। शिक्षा विभाग ने गैर पंजीकृत कोचिंग सेंटरों पर कार्रवाई करते हुए बुधवार को 32 कोचिंग सेंटरों को बंद कराया। निरीक्षण के दौरान यह कोचिंग सेंटर विभाग को पंजीकरण संबंधित दस्तावेज नहीं दिखा सके। जिले में गली-मोहल्ले में कोचिंग सेंटर चल रहे हैं। लेकिन पंजीकरण कोचिंग सेंटर सिर्फ 35 हैं। अब गैर पंजीकरण कोचिंग सेंटरों पर विभाग की ओर से कार्रवाई शुरू की गई है। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. धर्मवीर सिंह ने बताया कि गैर पंजीकृत कोचिंग सेंटरों के निरीक्षण के लिए 12 टीमें बनाई गईं। टीमों ने जिले भर में अभियान चलाकर 32 कोचिंग सेंटर चिह्नित किए। वहां पंजीकरण संबंधी दस्तावेज मुहैया कराने को कहा गया, लेकिन किसी के पास दस्तावेज नहीं मिले। इसलिए तत्काल प्रभाव से ऐसे कोचिंग सेंटरों को बंद करा दिया गया है। अगर ये कोचिंग सेंटर अब कक्षा संचालित करते हुए मिले तो संचालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इन कोचिंग सेंटरों पर हुई कार्रवाई ज्ञान एकेडमी, मास्टर क्लासेज

मुन्ना बजरंगी हत्याकांड के आरोपियों को कोर्ट में किया पेश

एनटीवी

गाजियाबाद। माफिया डॉन मुन्ना बजरंगी हत्याकांड में शामिल तीन आरोपियों को बुधवार को सीबीआई की विशेष अदालत में पेश किया गया। सीबीआई ने तीनों के रिमांड के लिए कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था। सुनवाई के बाद अदालत ने छह दिन की कस्टडी रिमांड को मंजूरी दे दी। सीबीआई के लोक अभियोजक ने बताया कि बागपत जेल में 9 जुलाई 2018 को गैंगस्टर सुनील राठी ने माफिया मुन्ना बजरंगी की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी थी। मामले में तत्कालीन जेलर ने एफआईआर दर्ज कराई थी। इस मामले की सुनवाई शुरूआत में बागपत जिला अदालत में हुई, लेकिन मुन्ना बजरंगी की पत्नी सीमा ने एक पूर्व सांसद व अन्य लोगों पर हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए सीबीआई जांच के लिए हाईकोर्ट में अर्जी दी थी। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। मामले की जांच में जुटी सीबीआई टीम ने बागपत से अरविंद, बबलू व एक अन्य को गिरफ्तार किया। मुन्ना बजरंगी हत्याकांड का आरोपी सुनील राठी वर्तमान में तिहाड़ जेल में बंद है। अगली सुनवाई 13 दिसंबर को होगी। किशोरी से दुष्कर्म के आरोपी को 10 साल की सजा गाजियाबाद। नशीला पदार्थ सुंघाकर किशोरी से दुष्कर्म के दोषी को विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट तेन्द्र पाल की अदालत ने बुधवार को 10 साल के कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही, आरोपी पर छह हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। विशेष लोक अभियोजक हरीश कुमार ने बताया कि ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र में 7 अगस्त 2016 की दोपहर किशोरी खेत से घर लौट रही थी। रास्ते में दिलशाद ने उसे नशीला पदार्थ सुंघाया, जिससे वह बेहोश हो गई। इसके बाद वह किशोरी को खेत में ले गया और तमंचे के बल पर दुष्कर्म किया। दिलशाद उसे झाड़ियों में फेंककर फरार हो गया। होश में आने पर पीड़िता घर पहुंची और परिजन को मामले की जानकारी दी। परिजन की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर दिलशाद को गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया। ग्राहक को उचित सेवा नहीं देने पर मोहननगर के अर्थला स्थित भारत भूषण गैस एजेंसी पर जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने पांच हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। मोहननगर निवासी डॉ. प्रभात कुमार एजेंसी से प्राप्त गैस पासबुक के आधार पर ऑनलाइन गैस सिलिंडर बुक करते थे। गैस सिलिंडर की सप्लाई कभी की जाती थी, कभी नहीं की जाती थी। आरोप था कि अनुचित रुपये लेकर किसी अन्य व्यक्ति को सिलिंडर दे दिया जाता था। इसकी शिकायत एजेंसी से की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। 20 अक्तूबर 2021 को ग्राहक को दिया गया सिलिंडर लीक करने लगा। उन्होंने एजेंसी पर शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ऑनलाइन बुक कराए गए सिलिंडर को निरस्त कर दिया गया। एजेंसी के दुर्व्यवहार से परेशान होकर उन्होंने 9 मार्च 2022 को जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में बाद दायर कर दिया। आयोग के न्यायाधीश प्रवीण कुमार जैन व सदस्य शैलजा सचान ने मामले में सुनवाई के बाद भारत भूषण गैस एजेंसी को मानसिक क्षतिपूर्ति के रूप में पांच हजार रुपये ग्राहक को देने का आदेश पारित किया।

दांपत्य में खलल डाल रहा मोबाइल और परिवार का दखल

एनटीवी

ग्रेटर नोएडा। परिवार के लोगों का छोटी-छोटी बातों पर दखल और मोबाइल दांपत्य जीवन में खलल डाल रहा है। नॉलेज पार्क स्थित पारिवारिक विवाद समाधान केंद्र (एफडीआरसी) में आने वाले 70 फीसदी से अधिक मामलों में परिवार के लोगों की दखल या फिर मोबाइल से जुड़े विवाद शामिल हैं। कई बार दंपती साथ रहने के लिए तैयार हो जाते हैं, लेकिन परिवार के विरोध के कारण उन्हें कई महीने तक अलग रहना पड़ता है। यही कारण है कि केंद्र में आने वाले पारिवारिक विवाद के मामले साल दर साल बढ़ते जा रहे हैं। एफडीआरसी काउंसलिंग टीम के विशेषज्ञों का कहना है कि विवाह के बाद युवक के परिजन और ससुराल पक्ष से महिला के परिजन को काफी अपेक्षाएं होती हैं, लेकिन जब महिला अपनी ससुराल में रहती है तो सबकुछ उसके हिसाब से नहीं होता। कई बार ससुराल पक्ष भी अपनी बहू से इतनी अपेक्षाएं रखता जो पूरी न होने पर विवाद की स्थिति पैदा कर देता है। ऐसे कई मामलों में युवक को उसके परिजन और महिला को मायके पक्ष के लोग सलाह देने लगते हैं। विवाद बढ़ने पर परिवार के दखल के कारण दंपती खुद निर्णय नहीं ले पाते और अलग रहने को विवश होते हैं। शक होने पर दंपती मोबाइल के जरिये एक दूसरे की जासूसी करने लगते हैं। एक महीने निजी मोबाइल न रखने की शर्त पर समझौता शुक्रवार को एफडीआरसी में आयोजित कार्यक्रम में पांच जोड़ों में घर जाने को लेकर समझौता हुआ था। इनमें से दो बहनें हैं, जिनका विवाह एक ही गांव के दो युवकों से लगभग तीन साल पहले हुआ था। सात महीने से दोनों दंपती में विवाद चल रहा था। छह महीने तक दोनों की काउंसलिंग की गई। इसमें युवक ने कहा कि ससुराल में होने वाली छोटी-छोटी बातों को मायके में बताया जाता है। मायके पक्ष के दखल को लेकर विवाद होता है। युवकों ने शर्त रखी कि वे मोबाइल न रखने के लिए तैयार हैं। उनकी पत्नियों को भी मोबाइल नहीं रखना होगा। लैंडलाइन या फिर किसी परिजन के मोबाइल से बात की जाएंगी। एक महीने तक मोबाइल न रखने की शर्त पर दोनों जोड़े एक साथ घर चले गए।दंपती में विवाद के मामलों की काउंसलिंग में पता चला है कि 70 फीसदी से अधिक विवाद मोबाइल व परिवार के दखल को लेकर शुरू होते हैं। विवाद बढ़ने पर दंपती में तलाक तक की नौबत आ जाती है। ऐसे में एक दूसरे को सामंजस्य बनाए रखने और छोटी-मोटी बातों को नजरअंदाज करने की जरूरत होती न कि उन्हें आधार बनाकर शक बढ़ाने या विवाद करने की।

ग्रेनो प्राधिकरण को देने होंगे सरकारी जमीन के पुनर्ग्रहण के 534 करोड़

एनटीवी

ग्रेनो प्राधिकरण को सरकारी जमीन के पुनर्ग्रहण का पैसा सरकार को देना होगा। इस संबंध में शासन ने प्राधिकरण को पैसा जमा कराने का आदेश दिया है। प्राधिकरण ने अब तक 32 गांवों में 148.7800 हेक्टेयर जमीन का पुनर्ग्रहण किया है, लेकिन करीब 534 करोड़ रुपये राजस्व जमा नहीं किया है। इस संबंध में प्रशासन की ओर से शासन को प्रस्ताव भेजा गया था जिसका संज्ञान लेकर कार्रवाई की गई है। प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में ग्राम समाज व सार्वजनिक उपयोग की जमीन है, जो प्राधिकरण की योजनाओं के बीच आ रही है। ऐसे में प्राधिकरण सरकारी जमीन पुनर्ग्रहण कर रहा है। प्राधिकरण को इसका मूल्य सरकार को देना होता है, लेकिन प्राधिकरण ने ऐसा नहीं किया। प्रशासनिक अफसरों ने बताया कि प्राधिकरण ने वर्ष 2014 से 2016 के बीच 32 गांवों में 148.7800 हेक्टेयर सरकारी जमीन ली थी, लेकिन इसके लिए 534 करोड़ रुपये का राजस्व जमा नहीं कराया। इसके लिए प्रशासन ने दो बार शासन को प्रस्ताव भेजा था। अब सरकार ने प्राधिकरण को सरकारी जमीन का पैसा जमा कराने का आदेश दिया है। स्कूल-कॉलेज की एनओसी से शुरू हुआ टकराव प्राधिकरण ने स्कूल और कॉलेजों को भूखंड आवंटित किए। इसके बाद स्कूलों ने सीबीएसई से मान्यता मांगी। सीबीएसई के आवेदन पर प्रशासन से दो बिंदुओं पर अनापत्ति प्रमाण पत्र मांगा, लेकिन आवंटित भूखंडों में सरकारी जमीन भी शामिल थी। प्राधिकरण ने इसका पैसा जमा नहीं कराया। इस कारण प्रशासन अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी नहीं कर पाया। अब प्रशासन ने पैसों की मांग की तो प्राधिकरण ने भी अपनी जमीन के पैसों की मांग रख दी। इसके बाद टकराव शुरू हुआ और मामला शासन तक पहुंच गया। प्राधिकरण ने भी बकाया की मांग प्राधिकरण ने 57.7752 हेक्टेयर जमीन प्रशासन को दी है। इस जमीन पर कलेक्ट्रेट समेत जिला प्रशासन के विभिन्न कार्यालय बने हैं। प्रशासन की मांग के बाद प्राधिकरण ने अपनी जमीन का पैसा मांगा जो करीब 500 करोड़ के आसपास है। इस संबंध में प्रशासन ने शासन को भी अवगत कराया था। आवंटियों को उठानी पड़ रही है परेशानीसरकारी जमीन के पुनर्ग्रहण मूल्य का मामला प्राधिकरण, प्रशासन और शासन के बीच का है, लेकिन इसका असर स्कूल और कॉलेजों के भूखंड आवंटियों पर पड़ रहा है। उन्हें सीबीएसई से मान्यता नहीं मिल पा रही है। मान्यता लेने के लिए काफी स्कूलों ने स्वयं ही मूल्य जमा करा दिया। जबकि यह धनराशि प्राधिकरण को देनी होती है।

सीजीएसटी की टीम ने सिगरेट फैक्टरी से जब्त किए दस्तावेज

- इन दस्तावेजों में कंपनी के लेनदेन का पूरा ब्योरा दर्ज हैं। इस फैक्टरी में विदेशी कंपनियों के ब्रांड की सिगरेट बनाई जा रहीं थी।

एनटीवी

गाजियाबाद। कविनगर औद्योगिक क्षेत्र स्थित सिगरेट फैक्टरी से सीजीएसटी की टीम ने बड़ी संख्या में दस्तावेज जब्त किए हैं। इन दस्तावेजों में कंपनी के लेनदेन का पूरा ब्योरा दर्ज हैं। इस फैक्टरी में विदेशी कंपनियों के ब्रांड की सिगरेट बनाई जा रहीं थी। जांच के दौरान कंपनी में मौजूद पदाधिकारी का दावा था कि उनका विदेशी कंपनियों से अनुबंध है, हालांकि वह अनुबंध के दस्तावेज नहीं दिखा पाए। जांच के दौरान कंपनी के मालिक सीजीएसटी टीम के सामने उपस्थित नहीं हुए। फैक्टरी में सिगरेट नकली होने का भी संदेह जताया जा रहा है।सीजीएसटी की टीम ने मंगलवार शाम को कविनगर औद्योगिक क्षेत्र के एफ-ब्लॉक स्थित मनोज टोबैको नाम की फैक्टरी पर छापा मारा था। पांच गाड़ियों में पहुंची टीम में शामिल अधिकारियों ने फैक्टरी में बने कार्यालय से बड़ी संख्या में दस्तावेज कब्जे में ले लिए हैं। रात भर यहां जांच-पड़ताल की गई। सीजीएसटी के अधिकारी अब इन दस्तावेजों की पड़ताल कर टैक्स चोरी का आकलन कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि फैक्टरी में जितने माल का उत्पादन किया जा रहा था, उतने माल के ई-वे बिल नहीं पाए गए हैं। यानी माल को गुपचुप तरीके से बेचा जा रहा था और इस पर जीएसटी की चोरी की जा रही थी। अब दस्तावेजों की जांच और आकलन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद तय होगा कि सिगरेट कंपनी के संचालन की ओर से कितने टैक्स की चोरी की है। बृहस्पतिवार तक कंपनी के इन दस्तावेजों की जांच की प्रक्रिया पूरी हो सकती है। ई-रिक्शा बनाने वाली कंपनी पर भी जांच सीजीएसटी की टीम ने बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र में ई-रिक्शा बनाने वाली एक कंपनी पर भी छापामारी की है। इस कंपनी के दस्तावेजों को भी जब्त किया गया है। सीजीएसटी की एक दूसरी टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया है। बताया जा रहा है कि इस कंपनी में भी जीएसटी की चोरी की पुख्ता सूचना पर यह कार्रवाई की गई है। इस कंपनी की ई-रिक्शा की सप्लाई न सिर्फ गाजियाबाद में बल्कि देश के कई अन्य राज्यों में भी है।

बिहार इलेक्ट्रिक वाहन नीति को मिली मंजूरी, जानें ईवी खरीदारों को मिलेंगे क्या फायदे

एनटीवी

बिहार इलेक्ट्रिक वाहन नीति को मिली मंजूरी, जानें ईवी खरीदारों को मिलेंगे क्या फायदे

बिहार अपनी पहली इलेक्ट्रिक वाहन नीति को मंजूरी देने वाला लेटेस्ट भारतीय राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य की कैबिनेट ने एलान किया कि प्रदूषण को कम करने के साथ-साथ स्वच्छ ईंधन वाले वाहनों को अपनाने की कोशिश में राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए बिहार इलेक्ट्रिक नीति 2023 को मंजूरी दे दी गई है।

बिहार इलेक्ट्रिक वाहन नीति के लॉन्च के साथ, राज्य सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों के भीतर ईवी को कुल वाहन बिक्री का कम से कम 15 प्रतिशत बनाना है।

बिहार इलेक्ट्रिक वाहन नीति राज्य में खरीदारों के लिए आकर्षक बनाने के लिए विभिन्न प्रोत्साहन प्रदान करेगी। ईवी नीति में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए मोटर वाहन टैक्स पर 75 प्रतिशत तक की सब्सिडी का प्रस्ताव है। यह राज्य में खरीदी गई पहली एक हजार इलेक्ट्रिक कारों में से प्रत्येक के लिए 1.25 लाख रुपये तक का प्रोत्साहन भी देगा। इसी तरह का लाभ पहले 10,000 इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए भी दिया जाएगा। प्रोत्साहनों में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की खरीद पर 10,000 रुपये की छूट के साथ-साथ मोटर वाहन टैक्स में 75 प्रतिशत तक की छूट भी शामिल है।

यह प्रस्ताव डेडिकेटेड इलेक्ट्रिक वाहन नीति वाले कुछ अन्य राज्यों के समान है जिसमें दिल्ली, हरियाणा, कर्नाटक, महाराष्ट्र सहित अन्य शामिल हैं। राज्य सरकार के मुताबिक, बिहार इलेक्ट्रिक वाहन नीति का मकसद टिकाऊ गतिशीलता को बढ़ावा देना है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव (कैबिनेट सचिवालय) एस सिद्धार्थ ने कहा, योजना का मुख्य उद्देश्य लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर प्रोत्साहन देकर और आवश्यक चार्जिंग बुनियादी ढांचे की स्थापना करके इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों को तेजी से अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

यह योजना पर्यावरण प्रदूषण और ईंधन सुरक्षा के मुद्दे को संबोधित करने में मदद करेगी।

बिहार ईवी नीति का मकसद सहायक उद्योगों के साथ अपना खुद का इलेक्ट्रिक वाहन इकोसिस्टम स्थापित करने के लिए राज्य में निवेश आकर्षित करना भी है। इसने इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों के लिए रिन्यूएबल एनर्जी (नवीकरणीय ऊर्जा) का भी प्रस्ताव दिया है। जिसमें चालू वित्तीय वर्ष के लिए हाई टेंशन ईवी चार्जिंग स्टेशनों के लिए अनुमोदित टैरिफ दरें 8/ङ९अ रुपये निर्धारित की गई हैं। बिहार ईवी नीति की मुख्य विशेषताओं में पुराने इलेक्ट्रिक वाहनों और ईवी कंपोनेंट्स को स्क्रैप करने वालों को प्रोत्साहित करने का प्रस्ताव भी शामिल है।

नई राज्य ईवी नीति को मंजूरी देने के अलावा, सरकार ने पीएम-ई बस सेवा योजना के तहत 400 इलेक्ट्रिक बसों की खरीद को भी मंजूरी दे दी है। ये बसें राज्य के छह जिलों पटना, मुजफ्फरपुर, गया, भागलपुर, दरभंगा और पूर्णिया में चलाई जाएंगी।

EV Sales: अमेरिका में ईवी की बिक्री पहली बार 10 लाख के आंकड़े को कर गई पार, जानें डिटेल्स

एनटीवी

इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) संयुक्त राज्य अमेरिका में तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। हालांकि यहां का बाजार अभी भी चीन की तुलना में काफी छोटा है, लेकिन 2023 को एक महत्वपूर्ण वर्ष के रूप में याद किए जाने की संभावना है। क्योंकि पहले 11 महीनों में देश ने देखा है ऐसे वाहनों की बिक्री पहली बार 10 लाख के आंकड़े को पार कर गई है।

नेशनल ऑटोमोबाइल डीलर एसोसिएशन (NADA) के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से नवंबर की अवधि में बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों (BEV) की बिक्री 1,007,984 यूनिट्स रही। यह साल-दर-साल 50.7 प्रतिशत की उल्लेखनीय बढ़ोतरी है।

2023 के पहले 11 महीनों में संयुक्त राज्य अमेरिका में ईवी की रिकॉर्ड बिक्री ने इस संदेह को खारिज कर दिया है कि दुनिया भर के प्रमुख बाजारों में ऐसे वाहनों की मांग धीमी हो रही है। इसके बजाय, प्रोत्साहन और नए या अपडेटेड मॉडल की शुरूआत नई खरीद के प्रति सकारात्मक भावना को बढ़ा रही है। विशेष रूप से, जो बाइडेन प्रशासन के मुद्रास्फीति कटौती अधिनियम ने निर्माताओं से ईवी में निवेश को बढ़ावा दिया है, जबकि संभावित रूप से अमेरिका में मांग में बढ़ोतरी हुई है। टेस्ला अमेरिका में बड़ी खिलाड़ी बनी हुई है और हाल ही में उसने साइबरट्रक मॉडल को लॉन्च किया है। साथ ही अपनी अन्य पेशकशों पर भी ऑफर पेश किया है। ह्यूंदै, किआ, रिवियन, ल्यूसिड, मर्सिडीज-बेंज, फोर्ड और जीएम जैसी अन्य कंपनियां भी अमेरिका में ईवी क्षेत्र में अपनी मौजूदगी का विस्तार करना चाह रही हैं।

लेकिन चुनौतियां भी सामने बनी हुई हैं। खासतौर पर, यह माना जाता है कि सपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर (समर्थन बुनियादी ढांचे) पर अभी भी और खर्च करने की जरूरत है। खरीदने का सामर्थ्य भी एक महत्वपूर्ण पहलू है। क्योंकि इस समय, एक ईवी और इंटरनल कंबशन इंजन वाले इसके तुलना कर सकने वाले वाहन की कीमत का अंतर लगभग 3,800 डॉलर या लगभग 3.20 लाख रुपये है।

यमुना एक्सप्रेस वे पर कम हुई स्पीड लिमिट, तेज स्पीड में कार चलाने पर कटेगा चालान

एनटीवी

यमुना एक्सप्रेस-वे पर वाहनों की स्पीड को नियंत्रित करने के लिए लिमिट को कम कर दिया गया है। कब तक नई स्पीड लिमिट के साथ वाहनों को चलाना होगा। आइए जानते हैं।

आगरा और लखनऊ आने-जाने के लिए दिल्ली एनसीआर के लोग यमुना एक्सप्रेस वे का उपयोग करते हैं। लेकिन अब अथॉरिटी की ओर से इस एक्सप्रेस वे पर स्पीड लिमिट को कम कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कितनी स्पीड तक वाहनों को चलाने की अनुमति होगी। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

कम हुई स्पीड लिमिट

यमुना एक्सप्रेस वे पर अब यमुना अथॉरिटी की ओर से स्पीड लिमिट को कम कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रशासन की ओर से स्पीड लिमिट को कम करते हुए 60 और 75 किलोमीटर प्रति घंटा की लिमिट तय की गई है।

किसके लिए कितनी लिमिट

जानकारी के मुताबिक यमुना एक्सप्रेस वे पर हल्के वाहनों को अधिकतम 75 किलोमीटर प्रति घंटा तक की स्पीड से चलने की अनुमति होगी। वहीं भारी वाहनों के लिए स्पीड लिमिट को कम करते हुए 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक कर दिया गया है।

कब तक कम रहेगी लिमिट

रिपोर्ट्स के मुताबिक अथॉरिटी की ओर से 15 दिसंबर 2023 से स्पीड लिमिट को कम कर दिया जाएगा। जिसके बाद यह लिमिट 15 फरवरी 2024 तक रहेगी। अथॉरिटी की ओर से ऐसा हादसों को कम रखने के साथ ही वाहन सवारों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

सर्दियों में पड़ती है धुंध

दिल्ली एनसीआर सहित उत्तर भारत में सर्दियों की शुरूआत हो चुकी है। ऐसे में ज्यादा धुंध पड़ने के कारण सड़क पर विजिबिलिटी काफी कम या जीरो हो जाती है। जिससे वाहन चलाने में काफी परेशानी होती है। कम विजिबिलिटी के कारण हादसे होने का खतरा भी बढ़ जाता है और अगर तेज स्पीड में वाहन चलाया जाता है तो हादसा और गंभीर होने का खतरा भी होता है। इसलिए यमुना अथॉरिटी की ओर से स्पीड लिमिट को कम किया गया है।

SUV की बिक्री में बढ़ोतरी से परेशान हैं ग्लोबल एनसीएपी अध्यक्ष, America से सबक लेने को कहा

एनटीवी

भारत में एसयूवी की बढ़ती बिक्री को देखते हुए देश को अमेरिका से सबक लेना चाहिए। भारत में एसयूवी जैसे वाहनों को प्रमोट करने से रोकना चाहिए। इसके पीछे कारण दिया गया है की एसयूवी के बोनट की ऊंचाई अन्य गाड़ियों की तुलना में अधिक होती है।

देशभर में एसयूवी की बिक्री तेजी से हो रही है। एसयूवी की बिक्री में आई बढ़ोतरी के साथ ही देश भर में सड़क हादसों की घटनाओं में भी बढ़ोतरी हो गई है। बीते 5 वर्षों के दौरान देश में एसयूवी गाड़ियों की बिक्री दो गुना तक पहुंच चुकी है। हर साल बिकने वाली गाड़ियों में एसयूवी के हिस्सेदारी लगभग आधी है। एसयूवी की लगातार बढ़ती बिक्री से पैदल चलने वालों के लिए काफी खतरा पैदा हो चुका है। यह एक्सपर्ट्स का कहना है। एक्सपर्ट्स ने बताया है कि भारत में एसयूवी की बढ़ती बिक्री को देखते हुए देश को अमेरिका से सबक लेना चाहिए। भारत में एसयूवी जैसे वाहनों को प्रमोट करने से रोकना चाहिए। इसके पीछे कारण दिया गया है की एसयूवी के बोनट की ऊंचाई अन्य गाड़ियों की तुलना में अधिक होती है। अगर किसी दुर्घटना पर बोनट शरीर के ऊपरी हिस्से से टकराता है तो जान जाने का खतरा अधिक पैदा होता है। इस संबंध में ग्लोबल एनसीएपी के एक्जीक्यूटिव प्रेसिडेंट डेविड वार्ड ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने ग्लोबल रोड सेफ्टी इनीशिएटिव में कहा कि भारत को अमेरिका जैसी गलती नहीं दोहरानी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल यानी एसयूवी की बिक्री को बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिए। इसके पीछे उन्होंने तर्क दिया है कि एसयूवी की बिक्री बढ़ने से पैदल चलने वालों की जान को अधिक खतरा होता है। इसके पीछे उन्होंने कारण बताया कि एसयूवी गाड़ियों के बोनट या खुद की ऊंचाई अन्य गाड़ियों की अपेक्षा अधिक होती है। अगर एक्सीडेंट में गाड़ी का बोनट शरीर के ऊपर के हिस्से से टकराता है तो जान जाने का खतरा अधिक होता है। ऐसे में लोगों की जान की रक्षा करने के लिए इंस्टीट्यूट आफ रोड ट्रैफिक एजूकेशन ने इस संबंध में लोगों को जागरूक करने के लिए एक इनीशिएटिव उठाया है।

अमेरिका की राह पर ना चले

इस संबंध में एग्जीक्यूटिव प्रेसिडेंट डेविड बोर्ड ने टाइम्स आफ इंडिया से बातचीत कर उन्हें बताया कि कर इंडस्ट्री हर सेगमेंट में बड़ी और भारी एसयूवी की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है। सव इंडस्ट्री को इस तरह बढ़ावा मिलना रोड सेफ्टी के लिए अच्छा नहीं है। एसयूवी की बढ़ती मांग से छोटी गाड़ियों और पैदल चलने वालों की जान को खतरा अधिक बढ़ गया है। एसयूवी की मांग में हो रही इजाफे से भारत और दूसरे देशों में पर्यावरण के लिए भी कई गंभीर खतरे उत्पन्न हो रहे हैं।

अपनी कार को करते हैं प्यार, तो इन तरीकों को अपनाएं, गाड़ी को जंग से बचाएं

एनटीवी

कुछ खामियों के कारण कई बार कार में जंग लग जाती है। जिससे कार की उम्र भी कम होती है। कार को जंग से किस तरह बचाया जा सकता है। आइए जानते हैं।

लोगों की लापरवाही के कारण अक्सर कार के कुछ हिस्सों में जंग लग जाती है। जिसके बाद धीरे-धीरे यह बढ़ती है और कार को बड़ा नुकसान होता है।

अगर आप भी अपनी कार को लंबे समय तक बिना परेशानी चलाना चाहते हैं। तो हम इस खबर में आपको बता रहे हैं कि कार को जंग से किस तरह बचाया जा सकता है।

धुलाई है जरूरी

कार की सही तरह से देखभाल करने के लिए धुलाई काफी जरूरी होती है। अगर आप 15 दिन में एक बार कार को वॉश करते हैं तो इससे मिट्टी, कीचड़ को हटाया जा सकता है। जिनसे जंग लगने का खतरा होता है। वहीं अगर बारिश के दौरान कीचड़ वगैरह लग जाता है, तो उस समय कार को हर हफ्ते धोया जा सकता है।

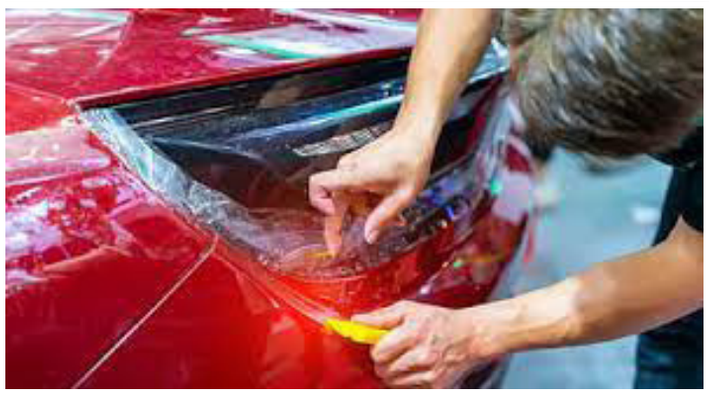

पानी का रखें ध्यान

अगर आप अपनी कार को साफ रखने के लिए पानी से धोते हैं, तो पानी का ध्यान रखना भी जरूरी होता है। देश में कई जगहों पर खारा पानी आता है। ऐसे में खारे पानी से कार धोने पर जंग लगने का खतरा बढ़ जाता है। कार को नियमित तौर पर अच्छे से साफ करें, लेकिन कोशिश करें कि खारे पानी से कार को ना धोएं। धुलाई के बाद करें यह काम कार को अच्छे से धोने के बाद पानी को साफ करना भी जरूरी है। धोने के बाद कार को कुछ दे लिए धूप में ही छोड़ दें। इससे जो बचा हुआ पानी होगा, वह निकल जाएगा। अगर कार की सतह पर पानी रह गया तो जंग लगने का खतरा ज्यादा होता है। इससे बाद सूती सूखा कपड़ा लेकर कार की सफाई करें, ताकि बचा हुआ पानी भी कपड़ा सोख ले।

कार कवर का करें उपयोग

धूल, मिट्टी और पानी से बचाने के लिए बेहतर है कि अच्छे वाटर प्रूफ कवर का उपयोग करें। ब्रांडेड कार कवर खरीदें, जो धूप से भी कार को बचाएगा और उसका रंग फीका नहीं पड़ेगा। साथ ही इससे जंग भी नहीं लगेगा। ऑफिस या अन्य जगहों पर, कार को बाहर पार्क करने की बजाय बेसमेंट पार्किंग या छायादार जगह का चुनाव करें।

वसुंधरा राजे से आगे कई नाम...

चुनाव नतीजे घोषित होने के बाद वसुंधरा राजे ना तो स्वयं दिल्ली गईं ना ही उन्हें दिल्ली से किसी बड़े नेता ने बुलाकर चर्चा की। वसुंधरा राजे सिंधिया जयपुर स्थित अपने आवास पर भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों से मिलकर उनका समर्थन जुटा रही हैं। चर्चा है कि वसुंधरा राजे से अब तक करीबन 30 विधायकों की चर्चा मुलाकात हो चुकी है। वैर से विधायक बने बहादुर सिंह कोली व नसीराबाद से चुनाव जीते रामस्वरूप लांबा ने खुलकर वसुंधरा राज्य को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की है। मालवीय नगर से विधायक कालीचरण सर्राफ भी वसुंधरा की पैरवी करते नजर आ रहे हैं। डीडवाना से निर्दलीय चुनाव जीते यूनुस खान जिनका भाजपा ने इस बार टिकट काट दिया था। उसके बाद भी वह निर्दलीय चुनाव जीतने में सफल रहे। वह वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए पूरी लॉबिंग में लगे हुए हैं। लोगों का कहना है कि वसुंधरा समर्थक होने के चलते ही यूनुस खान का टिकट काटा गया था और अब वह फिर से वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री बनवा कर अपनी धमक दिखाना चाहते हैं। यूनुस खान वसुंधरा राजे की दोनों बार की सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। 2013 से 18 के वसुंधरा राजे के मुख्यमंत्री के कार्यकाल में यूनुस खान, कालीचरण सर्राफ, अशोक परनामी, राजपाल सिंह शेखावत, प्रताप सिंह सिंघवी जैसे लोगों की एक चौकड़ी बनी हुई थी। जो वसुंधरा राजे को हर वक्त घेरे रहती थी। इसी चौकड़ी के कारण वसुंधरा राजे आमजन से कट गई थीं। स्थिति यहां तक आ गई थी कि उस दौरान कई वरिष्ठ विधायकों के लगातार प्रयास के उपरांत भी महीनों तक वसुंधरा राजे से मुलाकात नहीं हो पाती थी। वसुंधरा राजे के सिपाहसालारों के मनमाने फैसलों के चलते ही 2018 में भाजपा को करारी हार झेलनी पड़ी थी। उसके बाद से ही वसुंधरा राजे भाजपा में साइड लाइन कर दी गई थीं। अब वसुंधरा राजे का पूरा प्रयास है कि कैसे भी करके विधायकों का समर्थन प्राप्त कर तीसरी बार प्रदेश का मुख्यमंत्री बना जाए। यदि इस बार वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री बनने से चूक जाती हैं तो फिर उन्हें राजनीति के बियाबान में जाने से कोई नहीं रोक सकेगा। जयपुर में वसुंधरा राजे द्वारा भाजपा विधायकों से फेस टू फेस बातचीत करने के घटनाक्रम पर भाजपा आलाकमान पूरी नजर रखे हुए है। मुख्यमंत्री पद की रेस में शामिल अन्य कई नेताओं का मानना है कि पार्टी के विधायक पार्टी के किसी भी नेता से मिलने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन मुख्यमंत्री वही बनेगा जिनका नाम आलाकमान द्वारा घोषित किया जाएगा। राजस्थान में मुख्यमंत्री पद को लेकर वसुंधरा राजे के अलावा विद्याधर नगर सीट पर सबसे अधिक वोटों से जीतने वाली राजसमंद की सांसद दीया कुमारी, झोटवाड़ा से विधायक बने जयपुर ग्रामीण के सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़, केंद्र सरकार में जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, राज्यसभा सांसद व सवाई माधोपुर से विधायक बने डॉक्टर किरोडी लाल मीणा, केंद्र सरकार में कानून राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, भूपेंद्र यादव, संघ से जुड़े पूर्व संगठन महासचिव प्रकाश चंद्र अग्रवाल, ओम माथुर, तिजारा से नवनिर्वाचित विधायक व अलवर के सांसद बाबा बालक नाथ सहित करीबन एक दर्जन नेताओं के नाम चर्चा में हैं। भाजपा में यह तो तय है कि मुख्यमंत्री वही बनेगा जिसका नाम दिल्ली में बैठे बड़े नेता तय करेंगे। मगर मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे सशक्त दावेदार बनकर उभरी वसुंधरा राजे सिंधिया को भी हल्के में नहीं लिया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस बात का अच्छे से पता है कि राजस्थान भाजपा में आज भी वसुंधरा राजे से बड़ा कोई लोकप्रिय चेहरा नहीं है। अगले पांच महीनों के बाद लोकसभा चुनाव होने वाले हैं। जिसको प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया जाएगा, उनके कंधों पर लोकसभा चुनाव जीतवाने की जिम्मेदारी भी होगी। 2014 व 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रदेश की सभी 25 सीटों पर जीतती आ रही है। ऐसे में मुख्यमंत्री पद के चयन पर लोकसभा चुनाव की छाप भी देखी जाएगी। हालांकि भाजपा को पर्याप्त बहुमत मिलने के कारण फिलहाल तो मुख्यमंत्री पद के लिये जिसका भी नाम तय किया जाएगा उसे सभी विधायक स्वीकार कर लेंगे। लेकिन देर सवेर पार्टी के अंदर वसुंधरा राजे के रूप में एक चिंगारी धधकती रहेगी। जिसे जब भी हवा मिलेगी तब उसे शोला बनते देर नहीं लगेगी। विधानसभा चुनाव में वसुंधरा राजे के काफी समर्थक चुनाव जीते हैं। चुनावों के दौरान उन्होंने करीबन 40 से अधिक विधानसभा क्षेत्र में प्रचार किया था। जिनमें से बड़ी संख्या में विधायक जीत कर आए हैं। हालांकि पार्टी आलाकमान ने वसुंधरा के समय चर्चित चौकड़ी में शामिल रहे यूनुस खान, राजपाल सिंह शेखावत, अशोक परनामी, कैलाश मेघवाल जैसे बड़े नेताओं का टिकट काटकर उन्हें पार्टी की मुख्य धारा से अलग-थलग कर दिया है। वहीं नरपत सिंह राजवी चित्तौड़गढ़ सीट पर अपनी जमानत जब्त करवा कर प्रभावहीन बन चुके हैं। मगर यही सब लोग आज भी वसुंधरा राज्य के खास

अच्छा हुआ हम वैसे नहीं हैं

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

दक्षिण के किसी चर्चित फिल्म अभिनेता के निधन पर दो पहुंचे हुए अभिनेता आपस में फोन पर बातचीत कर रहे हैं- हेलो! सुना क्या? साउथ का कोई हीरो मर गया है। अभी-अभी टीवी पर समाचार देखा। सुनकर बड़ा दुख हुआ। हां-हां मैंने भी देखा। वह तो बड़ा सुपरस्टार था। लोगों में उसकी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। होगी भी क्यों न? बंदे ने काम ही ऐसे किए थे। अनाथाश्रम, पाठशालाएँ, गौशालाएँ, मुफ्त भोजन व्यवस्था, जरूरतमंदों की सहायता जो करता था। हमेशा जनसेवा का भूत उसके सिर पर सवार रहता था। यह तो बहुत बुरा हुआ। क्यों न हम भी उसके दुख में शामिल हो जाएँ। एक कंडोलेंस वाला ट्वीट तो कर ही सकते हैं। वरना दुनिया क्या सोचेगी? अरे! कहीं तू पागल तो नहीं हो गया? ट्वीट करने के चक्कर में कहीं ट्रोल-ब्रोल हो गया तो लेने के देने पड़ जाएंगे। ऊपर से बेइज्जती अलग होगी।अरे भाई! तू दो-चार गुटखों के विज्ञापन में है और मैं दो-चार शराब वाले में। अगर ऐसे में कोई ट्वीट कर देते हैं तो लोग हमारी खूब खिंचाई करेंगे। जनसेवा तो दूर हमने बिना मतलब के आज तक किसी को घांस तक नहीं डाली है। यह सोचकर ही मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं। हां यार! तू सही कहता है। भूल गया क्या लॉकडाउन में ऐसे ही किसी अभिनेता ने हमारी पतलून ढीली कर दी थी। उस पर जनसेवा का ऐसा भूत सवार हुआ कि हमारा घर से निकलना दुश्वार हो गया था। ऊपर से मीडिया वालों की किच-किच अलग से। सही कहता है तू! सबसे अच्छा चुपचाप बैठो। दुनिया से कन्नी काट लो। दो-चार दिन बाद मामला ठंडा पड़ जाएगा। क्यों फालतू मे मुसीबत मोल लें। जैसा चल रहा है वैसा चलने दो। मानवता को मारो गोली। चुपचाप पड़े रहो एक कोने में। इतना कहते हैं दोनों ने फोन रख दिया।

धरती के स्वर्ग की व्यवस्थाओं को संवारने निखारने की श्रृंखला में दो और अध्याय जुड़े

लेखक : किशन भावनानी

> इसके अंर्तगत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और सामाजिक तथा शैक्षिक रूप से पिछडे लोगों को पेशेवर संस्थानों में नौकरियों तथा प्रवेश में आरक्षण का प्रावधान है। उधर जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन संशोधन विधेयक-2023, जम्मू-कश्मीर पुर्नगठन विधेयक-2019 में संशोधन के बारे में है। इस विधेयक में जम्मू-कश्मीर विधानसभा में कुल 83 सीटों को निर्दिष्ट करने वाले 1950 के अधिनियम की दूसरी अनुसूची में संशोधन किया गया

वैश्विक स्तरपर सर्वविदित है कि दुनियां की धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले भारत के अभिन्न अंग जम्मू कश्मीर राज्य जहां 1987 के एक विवादित चुनाव के साथ कश्मीर में बड़े पैमाने पर सशस्त्र उग्रवाद की शुरूआत हुई, जिसमें राज्य विधानसभा के कुछ तत्वों ने एक आतंकवादी खेमे का गठन किया, जिसने इस क्षेत्र में सशस्त्र विद्रोह में एक उत्प्रेरक के रूप में भूमिका निभाई। और फिर उसके दशकों बाद जम्मू-कश्मीर को अनुच्छेद 370 और 35ए द्वारा दिए गए विशेष दर्जे को हटाने के लिए संसद ने 5 अगस्त, 2019 को मंजूरी दी। तब केन्द्रीय गृह मंत्री ने इसे ऐतिहासिक भूल को ठीक करने वाला ऐतिहासिक कदम कहा था। चाइल्ड मैरिज एक्ट, शिक्षा का अधिकार और भूमि सुधार जैसे कानून अब यहां भी प्रभावी है इसी तरह यहां सभी व्यवस्थाओं को सुद्धारित संशोधन करते हुए विकास व सफलताओं के अनेक अध्याय जुड़ते चले गएऔर आज दिनांक 6 दिसंबर 2023 को संसद के मानसूनसत्र में जम्मू कश्मीर आरक्षण और पुनर्गठन संशोधन संबंधित दोनों विधेयकों के पारित होने से परिवर्तन की कड़ी में एक और मोती जुड़ गया है जो मिल का पत्थर साबित होगा इसलिए आज हमपीआईबी व मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगेलोकसभा में परित जम्मू कश्मीर के दोनों विधेयक मील का पत्थर साबित होंगे। साथियों बात अगर हम दिनांक 6 दिसंबर 2023 को संसद में पारित जम्मू कश्मीर संबंधी दोनों विधेयकों की करें तो, लोकसभा ने जम्मू-कश्मीर आरक्षण-संशोधन विधेयक 2023 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन-संशोधन विधेयक 2023 पारित कर दिये हैं।जम्मू-कश्मीर आरक्षण-संशोधन विधेयक-2023, जम्मू-कश्मीर आरक्षण विधेयक-2004 में संशोधन के बारे में है। इसके अंर्तगत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और सामाजिक तथा शैक्षिक रूप से पिछडे लोगों को पेशेवर संस्थानों में नौकरियों तथा प्रवेश में आरक्षण का प्रावधान है। उधर जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन संशोधन विधेयक-2023, जम्मू-कश्मीर पुर्नगठन विधेयक-2019 में संशोधन के बारे में है। इस विधेयक में जम्मू-कश्मीर विधानसभा में कुल 83 सीटों को निर्दिष्ट करने वाले 1950 के अधिनियम की दूसरी अनुसूची में संशोधन किया गया था।प्रस्तावित विधेयक में सीटों की कुल संख्या बढाकर 90 करने का प्रावधान है। इसमें अनुसूचित जातियों के लिए 7 और अनुसूचित जनजातियों के लिए 9 सीटों का प्रस्ताव किया गया है। विधेयक में यह भी कहा गया है कि उपराज्यपाल विधानसभा में कश्मीरी विस्थापितों में से दो सदस्यों को नामांकित कर सकते हैं। इनमें एक सदस्य महिला होनी चाहिए। विस्थापितों को ऐसे व्यक्तियों के रूप में परिभाषित किया गया है जो पहली नवम्बर 1989 के बाद कश्मीर घाटी या जम्मू-कश्मीर के किसी अन्य भाग से विस्थापित हुए हों और राहत आयुक्त के साथ पंजीकृत हों। इसमें कश्मीरी पंडित समुदाय के दो सदस्यों और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से विस्थापितों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक सदस्य को विधान सभा में नामित करने का प्रावधान है। यह विधेयक नियुक्ति और प्रवेश में आरक्षण के लिए पात्र लोगों के एक वर्ग के नामकरण को बदलने का प्रयास करता है। दो दिनों तक चली छह घंटे से अधिक की बहस और केंद्रीय गृह मंत्री के जोशीले जवाब के बाद विधेयक पारित कर दिए गए।गृहमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा लाए गए जम्मू कश्मीर से संबंधित दो विधेयक पिछले 70 वर्षों से अपने अधिकारों से वंचित लोगों को न्याय देंगे। कहा कि विस्थापित लोगों को आरक्षण देने से उन्हें विधायिका में आवाज मिलेगी।गृह मंत्री के मुताबिक, विधानसभा में नौ सीट अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित की गई हैं। पीओके लिए 24 सीटें आरक्षित की गई हैं, क्योंकि पीओके हमारा है। उन्होंने कहा कि इन दोनों संशोधन को हर वो कश्मीरी याद रखेगा जो पीड़ित और पिछड़ा है। विस्थापितों को आरक्षण देने से उनकी आवाज जम्मू-कश्मीर की विधानसभा में गूंजेगी। शाह ने कश्मीरी पंडितों की घाटी में वापसी के सवालों पर कहा कि कश्मीरी विस्थापितों के लिए 880 फ्लैट बन गए हैं और उनको सौंपने की प्रक्रिया जारी है। साथियों बात अगर हम इन विधेयकों की अन्य विशेषताओं की करें तो, उसमें कश्मीरी प्रवासी समुदाय से विधानसभा में अधिकतम दो सदस्यों को नामित करने की उपराज्यपाल की शक्ति शामिल है, जिसमें एक नामांकित महिला होगी। इसके अतिरिक्त, पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के विस्थापितों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक सदस्य को नामांकित किया जा सकता है। कश्मीरी प्रवासियों को उन व्यक्तियों के रूप में परिभाषित किया गया है, जो 1 नवंबर, 1989 के बाद कश्मीर घाटी या जम्मू-कश्मीर राज्य के किसी अन्य हिस्से से चले गए और राहत आयुक्त के साथ पंजीकृत हैं। संसद के निचले सदन में बहस के दूसरे दिन के दौरान, केंद्रीय गृह मंत्री ने कथित तौर पर कहा कि नया कश्मीर- जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 के माध्यम से शुरू हुआ। पिछले 70 वर्षों से अपने अधिकारों से वंचित लोगों को न्याय सुनिश्चित करेगा।

विदेश में पढ़ाई के दौरान रोजगार क्षमता में सुधार कैसे करें

लेखक : विजय गर्ग

> इंटर्नशिप या को-ऑप्स का विकल्प चुनने से आपको एक बहुमुखी पेशेवर बनने में मदद मिलेगी और कई कार्यों को निपटाने के लिए सर्वोत्तम अभ्यास सीखने में मदद मिलेगी। नेशनल सर्वे ऑफ कॉलेज इंटर्नशिप (एनएससीआई) 2023 रिपोर्ट के अनुसार, नियोक्ता संभावित भावी कर्मचारियों की पहचान करने और उनसे जुड़ने के लिए प्रभावी चैनल के रूप में इंटर्नशिप और सह-ऑप कार्यक्रमों के मूल्य को समझते हैं।

आज की तेजी से बढ़ती वैश्वीकृत दुनिया में, कंपनियां विविधता, समानता और समावेशन पर ध्यान केंद्रित करती हैं। मैकिन्से की रिपोर्ट के अनुसार, अधिक विविध कंपनियां लाभप्रदता में अपने कम विविध प्रतिस्पर्धियों से आगे निकलने की संभावना रखती हैं। यह उन स्नातकों की बढ़ती मांग को उजागर करता है जो एक गतिशील कॉर्पोरेट पारिस्थितिकी तंत्र में सहजता से अनुकूलन और विकास कर सकते हैं। विदेश में पढ़ाई करना 21वीं सदी के कई नौकरी कौशलों को बढ़ाने के लिए जाना जाता है। अंतर्वैयक्तिक और पारस्परिक कौशल को बढ़ावा देने से लेकर आलोचनात्मक सोच और अनुकूलनशीलता विकसित करने तक, छात्र वैश्विक करियर बनाने के लिए सुसज्जित महसूस करते हैं। इस अवलोकन को इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल एजुकेशन (आईआईई) के रोजगार में बढ़त हासिल करना: 21वीं सदी के कौशल और कैरियर की संभावनाओं पर विदेश में अध्ययन का प्रभाव नामक अध्ययन द्वारा भी समर्थन प्राप्त है। एक अंतरराष्ट्रीय छात्र के रूप में, अपनी शैक्षणिक यात्रा के दौरान अपनी रोजगार क्षमता में सुधार लाने की दिशा में काम करना महत्वपूर्ण है। क्यूएस ग्लोबल इंटरनेशनल स्टूडेंट सर्वे 2022 के अनुसार, भारतीय छात्रों (62%) को स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद विदेश में नौकरी पाने की चिंता रहती है। इस चुनौती से निपटने के लिए, करियर को बेहतर बनाने वाली कुछ सर्वोत्तम रणनीतियों को सीखना महत्वपूर्ण है। विदेश में अध्ययन करते समय रोजगार क्षमता बढ़ाएँ कैसे भारतीय बैंकों ने UPI नामक अवसर और उसका नियंत्रण PhonePe और Google Pay को दे दिया कैसे भारतीय बैंकों ने UPI नामक एक अवसर और उसका नियंत्रण PhonePe और Google Pay को दे दिया बिरयानी का व्यवसाय: कैसे बिरयानी बाय किलो जीत रहा है भारतीय स्वाद स्थिरता और स्वचालन के साथ वरुण बेवरेजेज ने एचयूएल को पीछे छोड़ दिया, एक साल में 100% रिटर्न दिया। क्या यह आगे की गति को बरकरार रख सकता है? भारत पे के शीर्ष अधिकारी अपना उद्यम शुरू करने के लिए फिनटेक यूनिकॉर्न क्यों छोड़ रहे हैं? क्या आप ऊंची खरीदारी कर रहे हैं और कम कीमत पर बेच रहे हैं? इसे व्यवहारिक अंतर पर दोष दें शीर्ष निफ्टी 50 शेयरों के विश्लेषक इस सप्ताह खरीदारी का सुझाव देते हैं इंटर्नशिप/सहकारिता कार्यक्रम इंटर्नशिप और सह-ऑप्स (सहकारी शिक्षा) छात्रों को कार्य अनुभव प्राप्त करने और व्यावसायिक सेटिंग में औपचारिक रूप से अर्जित कौशल प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं। इंटर्नशिप या को-ऑप्स का विकल्प चुनने से आपको एक बहुमुखी पेशेवर बनने में मदद मिलेगी और कई कार्यों को निपटाने के लिए सर्वोत्तम अभ्यास सीखने में मदद मिलेगी। नेशनल सर्वे ऑफ कॉलेज इंटर्नशिप (एनएससीआई) 2023 रिपोर्ट के अनुसार, नियोक्ता संभावित भावी कर्मचारियों की पहचान करने और उनसे जुड़ने के लिए प्रभावी चैनल के रूप में इंटर्नशिप और सह-ऑप कार्यक्रमों के मूल्य को समझते हैं। विश्वविद्यालय के कैरियर संसाधनों का लाभ उठाएं एक प्रभावशाली बायोडाटा तैयार करने में मदद करने और साक्षात्कार युक्तियाँ साझा करने से लेकर नेटवर्किंग और शैडोइंग अवसरों और नौकरी खोज पोर्टलों तक विशेष पहुंच तक, विश्वविद्यालय के कैरियर संसाधन आपके लिए वरदान के रूप में कार्य कर सकते हैं। वह सब कुछ नहीं हैं; अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के पास मजबूत औद्योगिक संबंध हैं। और पूरे शैक्षणिक वर्ष में इन कैरियर केंद्रों द्वारा आयोजित मेले या कार्यक्रम आपको उद्योग जगत के दिग्गजों से जुड़ने में मदद कर सकते हैं। सार्थक नेटवर्किंग लगभग 80% नौकरियाँ ऑनलाइन पोस्ट नहीं की जाती हैं (जिन्हें छुपे हुए नौकरियों के बाजार के रूप में जाना जाता है)। जो व्यक्ति इस छिपे हुए बाजार में नौकरी की पेशकश हासिल करने में सक्षम हैं, वे वही हैं जिन्होंने अपने पेशेवर नेटवर्क को मजबूत किया है। क्यूएस ग्लोबल इंटरनेशनल स्टूडेंट सर्वे 2022 के अनुसार, विदेश में पढ़ने वाले छात्रों (64%) ने नेटवर्किंग को अपने अनुभव के सबसे मूल्यवान पहलुओं में से एक के रूप में उजागर किया। आपके अध्ययन क्षेत्र से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और सेमिनारों में भाग लेकर नेटवर्किंग की जा सकती है। आप न केवल नई चीजें सीखेंगे बल्कि उद्योग में प्रभावशाली हस्तियों तक पहुंच प्राप्त करेंगे। जैसी साइटों पर एक अच्छी ऑनलाइन प्रोफाइललिंक्डइन आपको सर्वोत्तम नौकरियां प्राप्त करने में भी मदद कर सकता है। निस्संदेह, ऑनलाइन और ऑफलाइन नेटवर्किंग से इंटर्नशिप, नौकरी के अवसर और नौकरी बाजार में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त हो सकती है। आप अपने शैक्षणिक विभाग और संबंधित क्लबों और सोसायटियों से भी पूछताछ कर सकते हैं कि क्या कोई आपके करियर में आपकी मदद कर सकता है।

भूत की कथा

लेखक :डॉ टी महादेव राव

> यही कि जब चाहें तब भूतों की तरह बदल जाना, भूत बन जाना। बड़ों का कहना है कि ज्ञान से भोजन मिले न मिले पर भोजन की वजह से ज्ञान जरूर आता है। आज के जमाने में जब होस्ट (मेजबान) ही घोष्ट (भूत) बन रहे है, ऐसे में हमारी जीवन शैली किस तरह की हो बता ही रहा था की वह भूत बंगला ढह गया और सारे भूत किसी दूसरे को सावधान किए बिना, बताए बिना भाग गए, भागते भूत की लंगोटी भली को सार्थक करते हुये।

एक पुराने खंडहर में, जिसे लोग भूत बंगला कहते हैं, एक भूत रहता था और उसे विश्वास था कि दुनिया में भूत होते ही नहीं, उनका कोई अस्तित्व ही नहीं है। एक दिन अचानक उस भूत को प्रेतात्मा ज्ञान प्राप्त हुआ। अपने साथी भूतों को अपना ज्ञान दाँत दिखाते हुये उपदेश देने लगा। भाइयों, सालों साल हवा में घूमते हुये मैंने जो ज्ञान हासिल किया है, वह आपको बताने जा रहा हूँ। मनुष्य और भूत अलग अलग नहीं होते। वे सभी हमारी तरह ही होते हैं और तो और मनुष्य भी बस हमारी तरह ही होते हैं। मरने के पहले ही अति चालाकी, जिसे मृत्यु ज्ञान कहते हैं, का होना ही अंतिम छोर है जीवन का, डेड एंड है। वेयर देर इस ए विल, तेरे इस ए डेविल(जहां चाह है, वहाँ भूत है)। जहां डेविल नहीं है तो वहाँ ईविल है। आत्माओं को मार डालें तो प्रेतात्मा, आत्मा को अलंकृत करें तो अंतरात्मा। जिसकी कोई आत्मा नहीं होती वह परमात्मा। दूसरों की आत्मा को खाते रहने वाला जीवात्मा। अगर आप अपनी खुद की आत्मा को खाते रहें तो महात्मा। अब यह जान लीजिये की मर खप कर मनुष्य ने क्या हासिल किया? यही कि जब चाहें तब भूतों की तरह बदल जाना, भूत बन जाना। बड़ों का कहना है कि ज्ञान से भोजन मिले न मिले पर भोजन की वजह से ज्ञान जरूर आता है। आज के जमाने में जब होस्ट (मेजबान) ही घोष्ट (भूत) बन रहे है, ऐसे में हमारी जीवन शैली किस तरह की हो बता ही रहा था की वह भूत बंगला ढह गया और सारे भूत किसी दूसरे को सावधान किए बिना, बताए बिना भाग गए, भागते भूत की लंगोटी भली को सार्थक करते हुये। हमारे नायक भूत की जब तंद्रा से आँख खुली तो देखा सामने बिल्डर और उसके पीछे उसके बाड़ी बिल्डर थे। अशरीरी भूत को लात मारते हुये बाड़ी बिल्डर ने कहा- अब भूतों को भूत बंगलों में नहीं, शहरों में रहना चाहिये। लात खाकर भूत शहर में जा गिरा। वहाँ की भीड़, जन समुदाय को देखकर भूत को डर लगा। हर आदमी किसी न किसी ओर दौड़ रहा है। क्यों और किसलिए किस ओर दौड़ रहा है, किसी को भी पता नहीं। पूछो तो गंदी सी गाली देकर बढ़ा जा रहा है। भूत ने कोशिश की कि भयानक रूप से हंसकर वह लोगों को डराए, पर किसी के पास डरने के लिए समय ही नहीं है। आज के रेस वेल्यू के जमाने में फेस वेल्यू को व्यर्थ और अर्थहीन पाकर भूत को पागलपन की हद तक हंसी आई। और वह खीसें निपोरकर, बड़े बड़े दाँत दिखाकर हंसने लगा। दांतों के अस्पताल के लोग आए और उस भूत को अपने डेंटल हॉस्पिटल ले जाकर उसके ऊबड़ खाबड़ दांतों को ठीक किया और सोलह क्लिप लगा डाले। जब भूत ने कहा कि उसके पास फीस और आपरेशन और बाकी के लिए पैसे नहीं है, तो सारे दाँत तोड़कर अस्पताल वालों ने उसे सड़क पर फेंक दिया। भूत को गुस्सा आया और वह हवा में उड़कर अपने कई करतब दिखाने लगा। एक टी वी चेनल के लोगों ने हवा में जाल फेंका और भूत को पकड़ लिया अपने स्टुडियो ले आए। सिटी बस कैसे चढ़ें विषय पर चर्चा कार्यक्रम रखा। जब उन्हें बताया गया कि वह भूत है तो सभी प्रसन्न हुये और चर्चा का विषय बदल कर शहरों की ओर भूतों का पलायन कर दिया । भूत ने कहा पुराने घरों को, खंडहरों को, भूत बंगलों को बिल्डर गिरा रहे हैं, सड़क विभाग वाले पेड़ों को काटकर गिरा रहे हैं। ऐसे में हम कहाँ जाएँ, कहाँ रहें और कहाँ अपना ठिकाना बनाएँ? बताएं झकहते हुये भूत रोने लगा। इसे देखकर सारे राजनीतिक दल यह कहते हुये कि भूत की सहायता करने का हक उनके ही पार्टी को है, लड़ने लगे। खूब मारामारी हुई, कुछ लोग अस्पताल में तो कुछ लोग भूतों के साथी बन गए मर कर भूत बनने के बाद।

जीएसटी पंजीकरण प्रक्रिया होगी सख्त, राष्ट्रीय सम्मेलन में बोले सीबीआईसी बोर्ड के विशेष सचिव शशांक प्रिय

- उन्होंने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। नई दिल्ली के एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में शशांक प्रिय ने कहा कि जीएसटी पंजीकरण और इसके अनुपालन में सुधार के लिए विभाग तेजी से काम कर रहा।

एनटीवी, नई दिल्ली

एसोचैम की ओर से बुधवार को आयोजित जीएसटी पर राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सीबीआईसी के विशेष सचिव और सदस्य शशांक प्रिय ने ये बातें कहीं। उन्होंने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) जीएसटी पंजीकरण प्रक्रिया को सख्त करने पर विचार कर रहा। फर्जी पंजीकरण को रोकने, जीएसटी भरने की प्रक्रिया को आसान करने और करदाताओं के बीच ई-चालान को लोकप्रिय बनाने की दिशा में भी तेजी से काम शुरू किया है। एसोचैम की ओर से बुधवार को आयोजित जीएसटी पर राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सीबीआईसी के विशेष सचिव और सदस्य शशांक प्रिय ने ये बातें कहीं।

उन्होंने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

नई दिल्ली के एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में शशांक प्रिय ने कहा कि जीएसटी पंजीकरण और इसके अनुपालन में सुधार के लिए विभाग तेजी से काम कर रहा। इसका अंदाजा ऐसे लगाया जा सकता है कि सीबीआईसी ने 1.66 लाख करोड़ रुपये का औसत मासिक जीएसटी संग्रह किया है। ये एक अच्छा संकेत है, अभी इससे भी आगे बढ़ा जा सकता है। इसमें सुधार के पूरे अवसर हैं। जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण जल्द चालू होने की उम्मीद उन्होंने कहा, ई-चालान को अधिक लोकप्रिय बनाने और करदाताओं को भी ऑनलाइन मोड में जाकर कर भुगतान करने के लिए प्रेरित करने पर काम हो रहा। अभी ये प्रक्रिया धीमी है। लेकिन ई-चालान के लिए बिजनेस टू कस्टमर सेगमेंट के विस्तार के बाद बिजनेस टू बिजनेस सेगमेंट में प्रवेश किया जाएगा। वर्तमान में ई-चालान सीमा पांच करोड़ रुपये निर्धारित है। उम्मीद है जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण चार से पांच महीने में चालू हो जाएगा। शशांक प्रिय ने कहा कि अबतक जीएसटी भरने के लिए विभिन्न कंपनियों को करीब 33 हजार नोटिस भेजे गए हैं। इसके लिए विभाग एक स्वचालित जांच मॉडल विकसित कर रहा है। दिसंबर के आखिर तक राज्य और केंद्र इकाइयों के जीएसटी अधिकारियों के बीच राष्ट्रीय समन्वय समिति की एक बैठक भी होने की उम्मीद है। कुछ महीनों में बेहतर रहा जीएसटी संग्रहः प्रतीक एसोचैम के राष्ट्रीय अप्रत्यक्ष कर परिषद के अध्यक्ष प्रतीक जैन ने कहा, पिछले कुछ महीनों में जीएसटी संग्रह अच्छा रहा है।

- इसके लिए विभाग एक स्वचालित जांच मॉडल विकसित कर रहा है। दिसंबर के आखिर तक राज्य और केंद्र इकाइयों के जीएसटी अधिकारियों के बीच राष्ट्रीय समन्वय समिति की एक बैठक भी होने की उम्मीद है।

वित्त वर्ष 2024 में जीएसटी संग्रह लक्ष्य को पार करने की संभावना है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि जीएसटी ने सभी राज्यों में एक कानून और समान कर दरों के साथ संरचनात्मक सरलता ला दी है। उद्योग जगत का मानना है कि सरकार को अब व्यापार करने में आसानी के एजेंडे पर जोर देने की जरूरत है। एसोचैम के सह अध्यक्ष रितेश कनोडिया ने कहा कि अभी जीएसटी को लेकर कुछ चुनौतियां हैं, लेकिन सरकार इसे सरल बनाने के लिए सकारात्मक पहल कर रही है।

शेयर बाजार के बाद रुपया भी हुआ कमजोर, आज डॉलर के सामने इतने पैसे टूटकर कर रहा ट्रेड

एनटीवी, नई दिल्ली

गुरुवार 7 दिसंबर को डॉलर के मुकाबले रुपया अपने शुरूआती कारोबार में कमजोर हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर के मजबूत होने से आज सुबह डॉलर के मुकाबले रुपया 4 पैसे गिरकर 83.36 पर आ गया। इसके अलावा आज डॉलर इंडेक्स में उछाल देखने को मिला है। रेपो रेट पर एमपीसी की बैठक शुरू हो गई है जिसका फैसला 8 दिसंबर को आना है। बुधवार को, रुपया 5 पैसे मजबूत होकर डॉलर के मुकाबले 83.32 पर बंद हुआ था। गुरुवार 7 दिसंबर को शेयर बाजार के साथ-साथ भारतीय करेंसी रुपया में भी गिरावट देखने को मिली। आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर की मजबूती के कारण सुबह के सत्र में रुपया, डॉलर के मुकाबले रुपया 4 पैसे गिरकर 83.36 पर आ गया। कितने पर खुला रुपया? इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज पर आज रुपया 83.36 के स्तर पर खुला जो पिछले बंद के मुकाबले 4 पैसे कमजोर है। बुधवार को, रुपया 5 पैसे मजबूत होकर डॉलर के मुकाबले 83.32 पर बंद हुआ था। ट्रेजरी प्रमुख और कार्यकारी निदेशक फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के अनिल कुमार भंसाली ने कहा, ब्रेंट ऑयल गिरकर 74.63 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के निचले स्तर पर आ गया, जो छह महीने का निचला स्तर है, क्योंकि अमेरिकी उत्पादन रिकॉर्ड ऊंचाई पर है, भले ही भंडार में गिरावट आई हो। यह रुपये के लिए काफी सकारात्मक होना चाहिए क्रूड का वायदा भी बढ़ा वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.50 प्रतिशत बढ़कर 74.67 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। डॉलर इंडेक्स हुआ मजबूत डॉलर की ताकत का अनुमान 6 अन्य करेंसी से लगाने वाला डॉलर इंडेक्स 0.03 प्रतिशत बढ़कर 104.17 पर कारोबार कर रहा था। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) ने कल यानी बुधवार को 79.88 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। रेपो रेट पर कल होगी घोषणा आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में तीन दिन (6-8 दिसंबर) तक चलने वाली एमपीसी की बैठक में लिए गए फैसलों की घोषणा कल सुबह 10 बजे आरबीआई के गवर्नर करेंगे। वर्तमान में रेपो रेट 6.5 प्रतिशत पर बना हुआ है और विशेषज्ञों के मुताबिक इस बार भी ब्याज दर को अपरिवर्तित छोड़ा जा सकता है। आपको बता दें कि रेपो रेट को आखिरी बार फरवरी 2023 में बढ़ाया 25 बेसिस प्वाइंट बढ़ाया गया था।

संक्षिप्त खबरें

रिकॉर्ड बढ़त के बाद बाजार में बिकवाली; सेंसेक्स 232 अंक टूटा, निफ्टी 22900 से फिसला

शुरूआती सेशन में सेंसेक्स 200 अंक नीचे और निफ्टी 20900 के लेवल के नीचे कारोबार कर रहा है। गुरुवार के ट्रेडिंग सेशन के दौरान सेंसेक्स ने 58 अंक की गिरावट के साथ 69595 के लेवल पर ओपनिंग की, इसके अलावा निफ्टी 50 इंडेक्स ने मामूली गिरावट के साथ 20900 के लेवल के नीचे ओपनिंग की। वैश्विक बाजार में कमजोरी की वजह से भारतीय शेयर बाजार भी गुरुवार को लाल निशान पर खुले। सेंसेक्स और निफ्टी 50 इंडेक्स लाल निशान के साथ कारोबार कर रहे हैं और दोनों ही इंडेक्स में गिरावट दिख रही है। शुरुआती सेशन में सेंसेक्स 200 अंक नीचे और निफ्टी 20900 के लेवल के नीचे कारोबार कर रहा है। गुरुवार के ट्रेडिंग सेशन के दौरान सेंसेक्स ने 58 अंक की गिरावट के साथ 69595 के लेवल पर ओपनिंग की, इसके अलावा निफ्टी 50 इंडेक्स ने मामूली गिरावट के साथ 20900 के लेवल के नीचे ओपनिंग की। वहीं बैंक निफ्टी में 87 अंकों की शुरूआती गिरावट दर्ज की गई।

ओडिशा और झारखंड में आयकर विभाग की छापेमारी; मिला इतना कैश, गिनने वाली मशीन ही हो गई खराब

अधिकारियों के अनुसार ओडिशा के बोलांगीर और संबलपुर तथा झारखंड के रांची, लोहरदगा में तलाशी जारी है। आयकर विभाग के सूत्रों के अनुसार कल तक 50 करोड़ रुपये तक के नोटों की गिनती पूरी हो चुकी है, लेकिन नोटों की संख्या इतनी अधिक है कि मशीनों ने काम करना बंद कर दिया है।

आयकर विभाग ने ओडिशा और झारखंड में बौध डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड में छापेमारी की और कंपनी से जुड़े परिसरों से भारी मात्रा में नोट बरामद किए। अधिकारियों के अनुसार ओडिशा के बोलांगीर और संबलपुर तथा झारखंड के रांची, लोहरदगा में तलाशी जारी है। आयकर विभाग के सूत्रों के अनुसार कल तक 50 करोड़ रुपये तक के नोटों की गिनती पूरी हो चुकी है, लेकिन नोटों की संख्या इतनी अधिक है कि मशीनों ने काम करना बंद कर दिया है।

चीन का निर्यात नवंबर में बढ़ा, आयात घटा, विदेशी व्यापार सुस्त

एनटीवी, नई दिल्ली

आयात अक्टूबर में तीन प्रतिशत चढ़ने के बाद नवंबर में 0.6 प्रतिशत गिरकर 223.5 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। कोविड-19 से निपटने के लिए लगाई गईं कड़ी पाबंदियां पिछले साल के अंत में हटाए जाने के बाद से देश को फिर से पटरी पर लाने के प्रयास जारी हैं। चीन का निर्यात सात महीने बाद नवंबर में बढ़ा, जबकि आयात में गिरावट आई है। इससे पहले अप्रैल में निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई थी। निर्यात एक साल पहले की तुलना में 0.5 प्रतिशत बढ़कर 291.9 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। हालांकि आयात अक्टूबर में तीन प्रतिशत चढ़ने के बाद नवंबर में 0.6 प्रतिशत गिरकर 223.5 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। कोविड-19 से निपटने के लिए लगाई गईं कड़ी पाबंदियां पिछले साल के अंत में हटाए जाने के बाद से देश को फिर से पटरी पर लाने के प्रयास जारी हैं। हालांकि, वैश्विक मांग में कमी से चीन का विदेशी व्यापार सुस्त बना है। चीन का नवंबर में व्यापार अधिशेष 21 प्रतिशत बढ़कर 68.4 अरब रहा, जो अक्टूबर में 56.5 अरब अमेरिकी डॉलर था। यूरोप और एशिया में फेडरल रिजर्व और केंद्रीय बैंकों के मुद्रास्फीति को कम करने के लिए पिछले साल ब्याज दरें बढ़ाना शुरू करने के बाद से चीनी निर्यात की मांग कमजोर रही है।

इस्राइल-हमास संघर्ष के बीच स्टारबक्स को बड़ा झटका, बहिष्कार के कारण 11 अरब डॉलर का नुकसान

एनटीवी, नई दिल्ली

वाशिंगटन के सिएटल स्थित स्टारबक्स इन दिनों भूराजनीतिक तनावों से प्रभावित हुआ है। स्टारबक्स वर्कर्स यूनाइटेड जो इसके कई बरिस्ता का प्रतिनिधित्व करता है के एक ट्वीट के बाद कंपनी को बहिष्कार का सामना करना पड़ा है। ट्वीट में फिलिस्तीनियों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की गई थी। वैश्विक राजनीतिक तनाव सिएटल स्थित स्टारबक्स कॉर्पोरेशन पर हावी हो रहा है, इसका नतीजा है कि कंपनी ने अपने मार्केट वैल्यू में लगभग 11 बिलियन डॉलर खो दिए हैं। इससे कंपनी के कुल मूल्य में 9.4 प्रतिशत की गिरावट आ गई है। 14 नवंबर को रेड कप डे के प्रचार के बाद से 19 दिनों में स्टारबक्स के शेयरों में 8.96 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो लगभग 11 बिलियन अमरीकी डालर के नुकसान के बराबर है। वाशिंगटन के सिएटल स्थित स्टारबक्स इन दिनों भूराजनीतिक तनावों से प्रभावित हुआ है। स्टारबक्स वर्कर्स यूनाइटेड जो इसके कई बरिस्ता का प्रतिनिधित्व करता है के एक ट्वीट के बाद कंपनी को बहिष्कार का सामना करना पड़ा है। ट्वीट में फिलिस्तीनियों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की गई थी। एक उद्योग विश्लेषक ने कहा कि गाजा पट्टी में इस्राइल की कार्रवाई के बाद शुरू हुआ बहिष्कार कंपनी के भविष्य के लिए एक चुनौतीपूर्ण स्थिति है। स्टारबक्स के शेयरों में लगातार 12 कारोबारी सेशन में गिरावट आई, जो 1992 में कंपनी के सार्वजनिक होने के बाद से अब तक का सबसे लंबा रिकॉर्ड है। कंपनी के स्टॉक वर्तमान में लगभग 95.80 डॉलर प्रति शेयर पर है, जो 115 डॉलर के वार्षिक उच्च स्तर से काफी नीचे है। हालांकि कंपनी ने ताजा विवाद के बीच खुद की ओर से कुछ भी गलत करने से इनकार किया है। लेकिन विभाजनकारी वैश्विक मुद्दों के बीच अपनी ब्रांड प्रतिष्ठा को बनाए रखने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। विश्लेषकों के साथ हाल ही में बातचीत में स्टारबक्स के सीईओ लक्ष्मण नरसिम्हन ने कहा कि वह कंपनी के विविध चैनलों और व्यापक आर्थिक चुनौतियों और बदलते उपभोक्ता व्यवहार के बावजूद ग्राहकों को जोड़ने की क्षमता के बारे में आशावादी बने हुए हैं। स्टारबक्स का हालिया बहिष्कार इस्राइल के समर्थन में कई वैश्विक ब्रांडों के बहिष्कार का हिस्सा है। मिस्र में स्टारबक्स ने बहिष्कार से वित्तीय रूप से प्रभावित होने के बाद नवंबर के अंत में कथित तौर पर श्रमिकों को निकाल दिया सूत्रों के अनुसार खर्चों में कटौती करने के लिए कंपनी को ऐसा कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

वीवो के खिलाफ ईडी ने आरोप पत्र दाखिल किया, मुखौटा कंपनियों के जरिए एक लाख करोड़ रुपये चीन भेजने का आरोप

एनटीवी, नई दिल्ली

ईडी के अनुसार उसे पता चला है कि चीनी फोन निमार्ता ने 2014 में भारतीय धरती पर प्रवेश करने के बाद विभिन्न भारतीय शहरों में 19 और कंपनियां स्थापित की थीं। इन कंपनियों में चीनी नागरिक उनके निदेशकों और/ या शेयरधारकों के रूप में थे और भारत में वीवो मोबाइल्स की पूरी आपूर्ति श्रृंखला को नियंत्रित करते थे। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा है कि उसने चीनी फोन निमार्ता वीवो के खिलाफ अपनी मनी लॉन्ड्रिंग जांच में आरोप पत्र दायर किया है। एजेंसी ने आरोप पत्र में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत आरोप लगाए हैं। ईडी ने कहा है कि वीवो ने 2014 से 2021 के बीच भारत के बाहर एक लाख करोड़ रुपये भेजने के लिए शेल यानी मुखौटा कंपनियों का इस्तेमाल किया।

अक्टूबर में ईडी ने लावा इंटरनेशनल कंपनी के एमडी हरि ओम राय, चीनी नागरिक गुआंगवेन उर्फ एंड्रयू कुआंग और चार्टर्ड अकाउंटेंट नितिन गर्ग और राजन मलिक को इस मामले में गिरफ्तार किया था। 2022 में अपनी जांच शुरू करने वाले ईडी ने पिछले साल जुलाई में वीवो-इंडिया और उससे जुड़े व्यक्तियों पर छापा मारा था, जिसमें चीनी नागरिकों और कई भारतीय कंपनियों से जुड़े एक बड़े मनी लॉन्ड्रिंग रैकेट का भंडाफोड़ करने का दावा किया गया था। दिल्ली की एक विशेष अदालत के समक्ष बुधवार को दायर आरोपपत्र में ईडी ने राय, गुआंगवेन क्यांग उर्फ एंड्रयू कुआंग, गर्ग और मलिक को "भारत से बड़ी रकम" बाहर भेजने के लिए नामजद किया है। ईडी के अनुसार उसे पता चला है कि चीनी फोन निमार्ता ने 2014 में भारतीय धरती पर प्रवेश करने के बाद विभिन्न भारतीय शहरों में 19 और कंपनियां स्थापित की थीं। इन कंपनियों में चीनी नागरिक उनके निदेशकों और/ या शेयरधारकों के रूप में थे और भारत में वीवो मोबाइल्स की पूरी आपूर्ति श्रृंखला को नियंत्रित करते थे। अपने रिमांड आवेदन में ईडी ने आरोप लगाया था कि आरोपित ने पूरे देश में एक विस्तृत चीनी-नियंत्रित नेटवर्क स्थापित करने के लिए ₹छद्म और कपटपूर्ण तरीके से भारत में प्रवेश करके सरकार को धोखा दिया था। कंपनी ने भारत की आर्थिक संप्रभुता के लिए हानिकारक गतिविधियों को अंजाम दिया।

रतन टाटा ने निवेश को लेकर उनके नाम का दुरुपयोग करने पर चेतावनी दी

- फर्जी वीडियो में सोना अग्रवाल को टाटा अपना मैनेजर बता रहे हैं। साझा किए गए वीडियो के साथ लिखा गया

एनटीवी, नई दिल्ली

वीडियो में लोगों के खाते में पैसे जमा होने के संदेश भी दर्शाए गए। टाटा ने वीडियो और उसके नीचे लिखे संदेश के स्क्रीनशॉट पर फर्जी लिखकर उसे अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किया। टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन और उद्योगपति रतन टाटा ने उनके नाम का इस्तेमाल कर जोखिम मुक्त और 100 प्रतिशत गारंटी के साथ निवेश को लेकर साझा किए गए वीडियो को बुधवार को फर्जी बताया। टाटा ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में सोना अग्रवाल नाम की एक उपयोगकर्ता की पोस्ट की आलोचना की जिसमें निवेश की सिफारिश करने वाले एक वीडियो में उद्योगपति के फर्जी साक्षात्कार का इस्तेमाल किया गया है। फर्जी वीडियो में सोना अग्रवाल को टाटा अपना मैनेजर बता रहे हैं। साझा किए गए वीडियो के साथ लिखा गया, भारत में सभी के लिए रतन टाटा की एक सिफारिश। आपके पास 100 प्रतिशत गारंटी के साथ जोखिम मुक्त होकर आज ही अपने निवेश को बढ़ाने का मौका है। इसके लिए अभी चैनल पर जाएं। वीडियो में लोगों के खाते में पैसे जमा होने के संदेश भी दर्शाए गए। टाटा ने वीडियो और उसके नीचे लिखे संदेश के स्क्रीनशॉट पर फर्जी लिखकर उसे अपने इंस्टाग्राम अकाउंट परसाझा किया।

गूगल ने पेश किया अपना सबसे पावरफुल एआई टूल, जीपीटी-4 से होगा मुकाबला

एनटीवी, नई दिल्ली

गूगल ने जेमिनी को लेकर कहा है कि यह एक नए युग की शुरूआत है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी है। इसका सीधा मुकाबला ओपनएआई के सबसे लेटेस्ट एआई टूल जीपीटी-4 के साथ है। गूगल ने अपने सबसे पावरफुल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल पेश किया है। गूगल ने इसे जेमिनी नाम दिया है, हालांकि टेक्निकल नाम जेमिनी 1.0 है, क्योंकि यह पहला जेमिनी का पहला वर्जन है। गूगल ने जेमिनी को लेकर कहा है कि यह एक नए युग की शुरूआत है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी है। इसका सीधा मुकाबला ओपनएआई के सबसे लेटेस्ट एआई टूल जीपीटी-4 के साथ है। गूगल का जेमिनी मल्टीमॉडल एआई और बेसिक एआई का कॉम्बो वर्जन है। जेमिनी को लेकर दावा किया जा रहा है कि प्रोग्रामिंग में इसे महारत हासिल है। यह अपने प्रतिद्वंदी मॉडल के मुकाबले दोगुना फास्ट है और इसकी परफॉरमेंस मार्केट में मौजूद एआई मॉडल के मुकाबले 85% बेहतर है। जेमिनी के तीन मॉडल हुए पेश गूगल ने अपने नए आई मॉडल जेमिनी के तीन वर्जन अल्ट्रा, प्रो, नैनो पेश किए हैं जो कि तीन अलग-अलग इस्तेमाल के लिए हैं। जैमिनी एक सिंगल लैंग्वेज मॉडल नहीं है लेकिन जेमिनी नैनो, जेमिनी प्रो और जेमिनी अल्ट्रा की अपनी एक जरूरत है। इनमें से जेमिनी अल्ट्रा सबसे बड़ा और सबसे पावरफुल टूल है जिसे खासतौर पर हेवी टास्क के लिए डिजाइन किया गया है। इसका इस्तेमाल डाटा सेंटर जैसी जगहों पर होगा, वहीं जेमिनी प्रो अल्ट्रा के बराबर तो नहीं है लेकिन छोटे डाटा सेंटर्स पर इसका इस्तेमाल हो सकता है। इनमें से सबसे छोटा मॉडल जेमिनी नैनो जिसे एंड्रॉयड डिवाइस को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। इसे ऑफलाइन भी इस्तेमाल किया जा सकेगा। मोबाइल डिवाइस में इसका इस्तेमाल करते हुए कई काम किए जा सकेंगे। जेमिनी नैनो का सपोर्ट सबसे पहले गूगल पिक्सल 8 प्रो के लिए जारी किया जाएगा। यह टूल व्हाट्सएप के मैसेज का रिप्लाई भी खुद ही कर देगा।

दो से तीन साल में आ जाएगी योजना, बी2सी कारोबार के लिए जरूरी होगा ई-चालान

- यह देखना होगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं जिन्हें हम पहले शुरू कर सकते हैं। इस पर काम प्रगति पर है। 5-10 करोड़ रुपये के कारोबार वाले व्यवसाय पूरी तरह से ई-चालान जारी नहीं कर रहे हैं। इन पर हम अंकुश लगा रहे हैं।

एनटीवी, नई दिल्ली

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर व सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के जीएसटी सदस्य शशांक प्रिया ने कहा, बी2सी (व्यवसाय से ग्राहक) लेनदेन को ई-चालान के तहत लाने पर काम चल रहा है। इसके लिए जीएसटी प्रणालियों की क्षमता बढ़ाने की जरूरत है। यह देखना होगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं जिन्हें हम पहले शुरू कर सकते हैं। सरकार दो से तीन वर्षों में बी2सी कारोबार के लिए ई-चालान जारी करना अनिवार्य कर सकती है। अभी सालाना पांच करोड़ रुपये और उससे ज्यादा कारोबार वाली बी2बी कंपनियों के लिए ई-चालान जरूरी है।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर व सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के जीएसटी सदस्य शशांक प्रिया ने कहा, बी2सी (व्यवसाय से ग्राहक) लेनदेन को ई-चालान के तहत लाने पर काम चल रहा है। इसके लिए जीएसटी प्रणालियों की क्षमता बढ़ाने की जरूरत है। यह देखना होगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं जिन्हें हम पहले शुरू कर सकते हैं। इस पर काम प्रगति पर है। 5-10 करोड़ रुपये के कारोबार वाले व्यवसाय पूरी तरह से ई-चालान जारी नहीं कर रहे हैं। इन पर हम अंकुश लगा रहे हैं।

कम कर भुगतान पर 33,000 नोटिस जारी प्रिया ने कहा, 2017-18 और 2018-19 में दाखिल रिटर्न में विसंगतियों एवं करों के कम भुगतान के लिए लगभग 33,000 जीएसटी नोटिस भेजे गए हैं।

पंजीकृत व्यवसायों में से करीब 25-28 फीसदी फर्जी पाए गए हैं।

पंजीकरण सख्त किया जाएगा। जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण 4-5 महीनों में स्थापित होगा। 6 रुपये का लाभांश देगी हिंदुस्तान जिंक वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक के बोर्ड ने 6 रुपये प्रति शेयर के भाव से चालू वित्त वर्ष के दूसरे अंतरिम लाभांश की घोषणा की है।

इस पर कुल 2,535 करोड़ रुपये खर्च होंगे। पहले चरण में जुलाई में सात रुपये प्रति शेयर लाभांश दिया गया था।

एजेंसी बीईएल को 3,915 करोड़ के ऑर्डर मिले भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि. (बीईएल) को 15 सितंबर, 2023 के बाद से कुल 3,915 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले हैं।

- वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक के बोर्ड ने 6 रुपये प्रति शेयर के भाव से चालू वित्त वर्ष के दूसरे अंतरिम लाभांश की घोषणा की है। इस पर कुल 2,535 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

इसमें भारतीय थलसेना से मिला 580 करोड़ रुपये का ऑर्डर भी शामिल हैं।

कंपनी को 2023-24 में अब तक कुल 18,298 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले हैं।

अदाणी समूह 75 अरब डॉलर का करेगा निवेश अदाणी समूह ऊर्जा क्षेत्र में 2030 तक 75 अरब डॉलर का निवेश करेगा।

समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा, यह बड़ा निवेश हमारे विजन को पूरा करेगा जो 45 गीगावॉट के अक्षय ऊर्जा की क्षमता को विकसित करने पर काम कर रहा है।

कर्नल समेत अधिकारियों की पदोन्नति नीति में बड़े बदलाव, 2024 में एक जनवरी प्रभावी होंगे नियम

एनटीवी, नई दिल्ली

भारतीय सेना ने कर्नल समेत इस रैंक से ऊपर के अधिकारियों की पदोन्नति को लेकर नीति में बड़े बदलाव का फैसला लिया है। सेना ने एक बयान में कहा, नई नीति एक जनवरी, 2024 से प्रभावी हो जाएगी। जानिए नए नियमों में क्या बदलाव होंगे भारतीय सेना एक व्यापक पदोन्नति नीति ला रही है। अगले साल के पहले दिना यानी, एक जनवरी, 2024 से बदलाव लागू हो जाएंगे। नई पदोन्नति नीति में कर्नल और उससे ऊपर के रैंक के सैन्य अधिकारियों के चयन के लिए पदोन्नति नीति की व्यापक समीक्षा को अंतिम रूप दिया गया है। सेना की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि सुरक्षाबलों की लगातार बदल रही परिचालन जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रमोशन की नई नीति तैयार की गई है। अधिकारियों को पदोन्नति के बढ़े हुए अवसर मिलेंगे सेना की नई नीति में सेना के आंतरिक और बाह्य दोनों पहलुओं का ध्यान रखा गया है। पदोन्नति नीति के बारे में भारतीय सेना के अधिकारी ने बताया कि वर्तमान हालात के साथ-साथ उभरती परिचालन चुनौतियों का सामना करने के लिए जैसा नेतृत्व जरूरी है, उन आवश्यकताओं को बेहतर तरीके से समझने और उसके अनुसार पदोन्नति के फैसले लेने में मदद मिलेगी। भारतीय सेना के बयान के मुताबिक पदोन्नति के संबंध में बनाई गई नई व्यापक नीति अधिकारियों को पदोन्नति के बढ़े हुए अवसर प्रदान करती है। सीनियर सैन्य अधिकारियों को भी मिलेगा लाभ एक जनवरी, 2024 से नई नीति के लागू होने के बाद भारतीय सेना में मेजर जनरल रैंक के अधिकारियों को आगे और भी पदोन्नति के अवसर मिलेंगे। इस रैंक से ऊपर सेवा दे रहे अधिकारियों को भी नई पदोन्नति नीति का लाभ मिलेगा। सेना ने कहा, नई नीति से वरिष्ठ नेतृत्व की आकांक्षाओं को भी पूरा करने में मदद मिलेगी। सैनिकों की कैडर से जुड़ी उम्मीदें भी पूरी होंगी ऐसे अधिकारी जिनका स्टाफ के रूप में अनुमोदन हुआ है, उन्हें केवल स्टाफ के अगले रैंक पर ही पदोन्नति मिलेगी। भारतीय सेना के अधिकारी ने बताया कि नई नीति से योग्यता तंत्र को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। इसके तहत अधिकारियों की कैडर से जुड़ी उम्मीदों को पूरा करने में भी मदद मिलेगी। नई पदोन्नति नीति के प्रभावी होने के बाद सेना की सभी यूनिट्स में सेवा दे रहे जवानों और अधिकारियों को समान अवसर और संतुष्टि मिलेगी। सभी सेलेक्शन बोर्ड में एक समान नीति होगी गौरतलब है कि वर्तमान में भारतीय सेना के मानव संसाधन का प्रबंधन विभिन्न नीतियों और प्रावधानों के तहत किया जाता है। इसके तहत अलग-अलग चयन बोर्ड काम कर रहे हैं। सेलेक्शन बोर्ड बदलने पर नीतियों में भी बदलाव होता था। सैन्य अधिकारियों के अनुसार, नीति में एकरूपता नहीं होने के कारण फैसले लेने में अड़चन आती थी। नई नीति लागू होने के बाद भारतीय सेना में सेवारत अधिकारियों और सभी चयन बोर्ड में एक समान नीतियों को लागू किया जा सकेगा। अब 5जी-6जी का जमाना, सेना दूरसंचार की अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करेगी बुधवार को एक अन्य बड़े फैसले में सेना ने बताया कि चुनौतियों का बेहतर मुकाबला करने के दृष्टिकोण से सेना सैन्य-ग्रेड वाले 5जी और 6जी एप विकसित कर रही है। उभरती प्रौद्योगिकियों के बेहतर इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। सेना के सूत्रों ने कहा, भविष्य में युद्ध की आशंका और उसके लिहाज से सैनिकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्नत दूरसंचार तकनीक पर काम किया जा रहा है। समग्र दक्षता बढ़ाने के लिए महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत सैन्य-ग्रेड 5जी और 6जी दूरसंचार एप विकसित करने के साथ-साथ सैन्य-ग्रेड सॉफ्टवेयर भी विकसित किए जा रहे हैं। मध्य प्रदेश के कॉलेज में परीक्षण का फैसला सेना जिन तकनीकों पर काम कर रही है इसका मकसद खुफिया और परिचालन प्रभाव बढ़ाना है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस उपकरण और पूर्वानुमान के आधार पर विश्लेषण के टूल विकसित करने के प्रयास भी जारी हैं। सेना के सूत्रों ने बताया कि अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर और दूरसंचार प्रौद्योगिकी को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय) के सहयोग से विकसित किए जा रहे हैं। बता दें कि इस मंत्रालय का प्रभार केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के पास है। एक सूत्र ने कहा, भारतीय सेना ने 5जी प्रयोगशालाएं स्थापित की हैं। मध्य प्रदेश में मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में 6जी परीक्षण किया जाएगा।

प्रणब मुखर्जी की बेटी की किताब में राहुल पर किए खुलासे पर भड़के कांग्रेस नेता, बीजेपी पर लगाए ये आरोप

- वडेट्टीवार ने राहुल गांधी की प्रशंसा करते हुए भाजपा पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'राहुल एक बहुत ही ईमानदार नेता हैं। वे (भाजपा) हमेशा राहुल गांधी से डरते हैं।

एनटीवी, नई दिल्ली

शर्मिष्ठा मुखर्जी की किताब में राहुल गांधी को लेकर किए गए खुलासे पर कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वह (भाजपा) हमेशा ही तीसरे व्यक्ति के जरिए हमारे पार्टी के लोगों बदनाम करने का गुप्त एजेंडा बनाती है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी की किताब प्रणवः माय फदर ने सियासी गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। इस किताब में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर कई खुलासे किए गए हैं। राहुल गांधी को लेकर किए गए खुलासों पर पार्टी नेता विजय वडेट्टीवार ने भाजपा पर आरोप लगाया है। वड्डेटीवार ने कहा, 'प्रणव मुखर्जी एक वरिष्ठ नेता थे और कांग्रेस ने उनकी योग्यताओं के साथ न्याय किया। अब शर्मिष्ठा जी ऐसा क्यों कह रही है? भाजपा हमेशा ही तीसरे व्यक्ति के जरिए हमारे पार्टी के लोगों को बदनाम करने का गुप्त एजेंडा बनाती है।

भाजपा पर लगाया आरोप वडेट्टीवार ने राहुल गांधी की प्रशंसा करते हुए भाजपा पर आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, 'राहुल एक बहुत ही ईमानदार नेता हैं। वे (भाजपा) हमेशा राहुल गांधी से डरते हैं। रणनीति के अनुसार, भाजपा शर्मिष्ठा जी के जरिए राहुल गांधी को बदनाम कर रही है।

' शर्मिष्ठा मुखर्जी ने अपनी किताब में बताया था कि राहुल गांधी ने 27 सितंबर, 2013 को पूर्व कैबिनेट मंत्री और पार्टी के संचार विभाग के प्रमुख अजय माकन द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रें में भाग लिया था और प्रस्तावित सरकारी अध्यादेश को पूरी तरह से बकवास कहा था। फिर सभी को आश्चर्यचकित करते हुए अध्यादेश की एक प्रति फाड़ दी।

उन्होंने अपनी किताब में इस बात का भी जिक्र किया कि उनके पिता ने उन्हें यह भी बताया था कि शायद राजनीति राहुल के लिए नहीं बनी है और उनकी रानजीतिक समझ की कमी उनके लगातार गायब रहने के अलावा एक समस्या पैदा कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के मंत्रिमंडल में आव्रजन नीति को लेकर घमासान, मंत्री रॉबर्ट जेनरिक ने दिया इस्तीफा

जेनरिक ने कहा कि उन्हें लगता है कि उनके बॉस गृह मंत्री जेम्स क्लेवरली द्वारा संसदीय बयान में पेश किया गया आपातकालीन कानून कानूनी चुनौतियों के दौर को खत्म करने के लिए पर्याप्त नहीं है। ब्रिटेन के राजनीतिक समीकरण बदलते दिख रहे हैं। यहां के आव्रजन मंत्री रॉबर्ट जेनरिक ने अवैध प्रवासियों को निर्वासित करने की सरकार की रवांडा नीति के साथ मजबूत असहमति के कारण प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया है। कानूनी चुनौतियों को खत्म करने के लिए पर्याप्त नहीं जेनरिक ने बुधवार को कहा कि उन्हें लगता है कि उनके बॉस गृह मंत्री जेम्स क्लेवरली द्वारा संसदीय बयान में पेश किया गया आपातकालीन कानून कानूनी चुनौतियों के दौर को खत्म करने के लिए पर्याप्त नहीं है। सुनक ने जताया दुख वहीं आव्रजन मंत्री के इस्तीफा देने पर सुनक ने कहा कि वह बहुत दुखी है, लेकिन पद छोड़ने के लिए दिया गया उनका तर्क गलतफहमी पर आधारित है। आव्रजन पर सरकार की नीति जेनरिक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'बड़े दुख के साथ मैंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर आव्रजन मंत्री के पद से इस्तीफा देने को कहा है। मेरी जब आव्रजन पर सरकार की नीति की दिशा को लेकर इतनी गहरी असहमति है तो मैं अपने पद पर रहकर काम नहीं कर सकता हूं।' कहीं न कहीं नुकसान पहुंचा रही उन्होंने आगे कहा कि इंग्लिश चैनल के पार छोटी नौकाएं देश को कहीं न कहीं नुकसान पहुंचा रही हैं और सरकार को राष्ट्रीय हितों को अंतरराष्ट्रीय कानून की विवादित बातों से ऊपर रखने की जरूरत है। इसलिए मैंने लगातार एक कानून की वकालत की है जो घरेलू और विदेशी अदालतों के लिए नीति की प्रभावशीलता को अवरुद्ध करने या कमजोर करने के अवसरों को गंभीर रूप से सीमित करता है।

'सही के साथ खड़े रहना भारत का कर्तव्य', गाजा पर जारी हमलों के बीच प्रियंका ने इस्राइल पर साधा निशाना

एनटीवी, नई दिल्ली

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा, भारत हमेशा सही बातों का समर्थन किया है। स्वतंत्रता के लिए फलस्तीनी लोगों का हमेशा से समर्थन किया है। इस्राइल-हमास संघर्ष के कारण गाजा में हो रहे युद्ध को लेकर प्रियंका गांधी ने एक बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि भारत का कर्तव्य है कि जो सही है उसके साथ खड़े रहे। साथ ही युद्धविराम के लिए हर संभव प्रयास करें। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा, 'भारत हमेशा सही बातों का समर्थन करता आया है। हमारे देश ने स्वतंत्रता के लिए फलस्तीनी लोगों का हमेशा से समर्थन किया है।' उन्होंने आगे कहा, 'गाजा में बमबारी अभी भी जारी है। खाद्य आपूर्ति दुर्लभ हो गई। चिकित्सा सुविधाएं नष्ट कर दी गई और जरूरत की सभी चीजों की आपूर्ति को भी बंद कर दिया गया है। पूरे देश को खत्म किया जा रहा है।' सही के साथ खड़े रहना भारत का कर्तव्य कांग्रेस नेता ने दावा किया कि इस युद्ध में 16,000 मासूम नागरिक मारे जा चुके हैं, जिसमें 10,000 बच्चे, 60 पत्रकार और सैकड़ो चिकित्सा कर्मचारी शामिल है। प्रियंका ने कहा, 'ये हमारे जैसे ही सपने और उम्मीदे रखने वाले लोग है। हमारे आंखो के सामने उन्हें मारा जा रहा है। कहां गई हमारी इनसानियत? हम अपने फलस्तीनी भाई बहनों का उनकी आजादी के संघर्ष में लंबे समय से ही समर्थन कर रहे हैं, लेकिन अब हम पीछे हो गए हैं और उनके लिए कुछ भी नहीं कर रहे।' उन्होंने आगे कहा, 'अंतरराष्ट्रीय समुदाय का हिस्सा होने के नाते यह भारत की जिम्मेदारी है कि वह सही के साथ खड़े रहे। हमें जल्द से जल्द युद्धविराम सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए।' गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से बताई गई जानकारी के अनुसार इस इस्राइल-हमास संघर्ष के कारण गाजा में मरने वालों की संख्या 16,200 के पार जा चुकी है। वहीं 42,000 के करीब घायल है। सात अक्तूबर को हुए हमले के बाद इस्राइल ने गाजा में बड़े पैमाने पर सैन्य आक्रमण शुरू किया है।

तीन राज्यों में कांग्रेस की हार से खफा विपक्ष तेलंगाना में आएगा साथ? शपथग्रहण में आ सकते हैं ये नेता

- खरगे के डिनर में शामिल हुए 17 विपक्षी पार्टियों के नेता इसके अलावा बुधवार को मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने डिनर पर विपक्षी गठबंधन के नेताओं से मुलाकात की।

एनटीवी, नई दिल्ली

रेवंत रेड्डी के शपथ ग्रहण समारोह में विपक्षी गठबंधन के नेताओं को बुलाना उनकी नाराजगी दूर करने की कोशिश मानी जा रही है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रेवंत रेड्डी आज हैदराबाद में तेलंगाना के नए सीएम के तौर पर शपथ लेंगे। रेवंत रेड्डी के शपथ ग्रहण समारोह को कांग्रेस विपक्षी एकता का मंच बनाने की कोशिश कर रही है, इसी रणनीति के तहत कांग्रेस ने विपक्षी गठबंधन के सभी गैर कांग्रेसी मुख्यमंत्रियों को भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने का न्यौता दिया है। हाल ही में विपक्षी गठबंधन के कई नेताओं ने ऐसे बयान दिए थे, जिसमें कांग्रेस की आलोचना की गई थी। साथ ही हाल ही में विपक्षी गठबंधन की बैठक भी कई शीर्ष नेताओं के ना आने से टल गई थी। अब रेवंत रेड्डी के शपथ ग्रहण समारोह में विपक्षी गठबंधन के नेताओं को बुलाना उनकी नाराजगी दूर करने की कोशिश मानी जा रही है। खरगे के डिनर में शामिल हुए 17 विपक्षी पार्टियों के नेता इसके अलावा बुधवार को मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने डिनर पर विपक्षी गठबंधन के नेताओं से मुलाकात की। नई दिल्ली में खरगे के आधिकारिक आवास पर आयोजित हुए इस डिनर कार्यक्रम में 17 राजनीतिक पार्टियों के 31 नेता शामिल हुए। इनमें डीएमके, एनसीपी, राजद, सपा, जदयू, आप, सीपीएम, सीपीआई, मुस्लिम लीग, एमडीएमके, रालोद, केरल कांग्रेस, जेएमएम, नेशनल कॉन्फ्रेंस, आरएसपी और वीसीके पार्टी शामिल हुईं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टीएमसी की तरफ से सीएम ममता बनर्जी की जगह पार्टी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन रेवंत रेड्डी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हो सकते हैं। डीएमके सांसद डीएनवी सेंथिल कुमार ने मंगलवार को लोकसभा में आपत्तिजनक बयान दिया था, इस पर कांग्रेस नेताओं जयराम रमेश और अधीर रंजन चौधरी ने नाराजगी जताई और कहा कि ऐसे बयानों से बचा जाना चाहिए क्योंकि इनसे भाजपा को फायदा मिल सकता है। साथ ही विपक्षी नेताओं की बैठक में संसदीय रणनीति पर भी चर्चा हुई। खरगे ने ट्वीट कर दी जानकारी डिनर के बाद मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा 'लोकसभा और राज्यसभा में समान विचारधारा वाली पार्टियों के नेताओं के साथ संसदीय रणनीति को लेकर बैठक की। जिसमें तय किया गया कि लोगों से जुड़े मुद्दे संसद में उठाएंगे और सरकार को जवाबदेय ठहराएंगे। विपक्षी गठबंधन के नेताओं के साथ चर्चा के बाद विपक्षी धड़े की बैठक की तारीख जल्द ही तय की जाएगी।'

'आखिर देरी क्यों हो रही', तीन राज्यों में सीएम की घोषणा नहीं करने पर कांग्रेस का भाजपा पर हमला

एनटीवी, नई दिल्ली

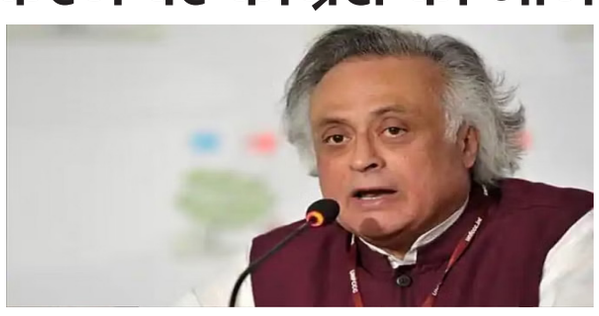

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि तीन दिसंबर को चुनाव परिणाम आए थे। उसके 24 घंटे के भीतर ही तेलंगाना के मुख्यमंत्री की नियुक्ति में तथाकथित देरी के लिए मीडिया में सभी जगह कांग्रेस पार्टी की आलोचना होने लगी थी। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में भाजपा को अपार जनसमर्थन मिला। वहीं कांग्रेस को करारी हार मिली। अब तीनों राज्य अपने मुख्यमंत्री की घोषणा का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच, कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधा। उसने पूछा आखिर मुख्यमंत्रियों की घोषणा में देरी क्यों हो रही है? 24 घंटे के भीतर ही तेलंगाना के मुख्यमंत्री कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि तीन दिसंबर को चुनाव परिणाम आए थे। उसके 24 घंटे के भीतर ही तेलंगाना के मुख्यमंत्री की नियुक्ति में तथाकथित 'देरी' के लिए मीडिया में सभी जगह कांग्रेस पार्टी की आलोचना होने लगी थी। तीन राज्यों के सीएम की घोषणा उन्होंने आगे कहा, 'हमारे मुख्यमंत्री की घोषणा तो परसों ही हो चुकी है और आज दोपहर एक बजे वह शपथ लेने जा रहे हैं। पर तीन दिन बीतने के बाद भी भाजपा छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान के लिए अपने मुख्यमंत्रियों की घोषणा तक नहीं कर पाई है।' रमेश ने कहा कि इस बात को उतनी ही बैचेनी और प्रमुखता से क्यों नहीं उठाया जा रहा है, जहां वास्तव में देर हो रही है? इतनी सीटों पर जीती भाजपा पांच राज्यों में से तीन मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिल गया है। मध्य प्रदेश में भाजपा प्रचंड बहुमत पाकर 163 सीटें जीतने में सफल रही। वहीं राजस्थान में भाजपा को 115 सीटों पर जीत मिली। छत्तीसगढ़ में भाजपा 54 सीटें जीतकर सत्ता कब्जाने में सफल रही है। वहीं, तेलंगाना में कांग्रेस को 64 सीटों पर जीत मिली।

भाजपा संसदीय दल की बैठक में PM मोदी का हुआ सम्मान, सांसदों ने तालियां बजाकर किया स्वागत

एनटीवी, नई दिल्ली

भाजपा के संसदीय दल की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल समेत भाजपा के केंद्रीय मंत्री और सांसद पहुंचे। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की बंपर जीत को लेकर आज पार्टी के सांसदों ने पीएम मोदी का स्वागत किया। भाजपा के संसदीय दल की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल समेत भाजपा के केंद्रीय मंत्री और सांसद पहुंचे। इस दौरान जब पीएम मोदी बैठक के लिए पहुंचे तो सांसदों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान सांसदों ने 'मोदीजी का स्वागत है' के नारे भी लगाए। बैठक के दौरान भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच प्रधानमंत्री को माला पहनाकर उनका स्वागत किया। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल सहित कई केंद्रीय मंत्री और पार्टी के सांसद मौजूद थे। भाजपा संसदीय दल की बैठक में पार्टी के सभी लोकसभा सदस्य राज्यसभा सदस्य शामिल होते हैं। बैठकों में पीएम मोदी समेत भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेता संसदीय एजेंडे और पार्टी के संगठनात्मक और राजनीतिक अभियानों से जुड़े अलग-अलग मुद्दों पर अपनी बात रखते हैं।

आर्मी चीफ जनरल मनोज पांडे ने की अग्निपथ योजना की तारीफ, गिनाए इसके फायदे

- इससे तकनीकी तौर पर सक्षम सैनिकों की सेना में भर्ती हो सकेगी। साथ ही यह योजना सबसे बेहतरीन सैनिकों को सेवा में रखने में बेहद कारगर है।

एनटीवी, पुणे

अपने संबोधन में कहा कि अग्निपथ योजना को लागू करने से सैन्य भर्ती की दिशा में अहम कदम है। इससे तकनीकी तौर पर सक्षम सैनिकों की सेना में भर्ती हो सकेगी। साथ ही यह योजना सबसे बेहतरीन सैनिकों को सेवा में रखने में बेहद कारगर है। बीते साल शुरू हुई थी अग्निपथ योजना बता दें कि बीते साल जून में केंद्रीय कैबिनेट ने भारतीय सेना में भर्ती के लिए अग्निपथ योजना को मंजूरी दी थी। अग्निपथ योजना के तहत सैनिकों की सेना में भर्ती चार साल के लिए होती है। चार साल की सेवा के बाद अग्निपथ योजना से सेना में भर्ती हुए अग्निवीरों को रिटायरमेंट पर करीब 12 लाख रुपये मिलेंगे, जिससे वह भविष्य कोई काम कर सकते हैं। अग्निपथ योजना का उद्देश्य युवा सैनिकों की सेना में भर्ती कर सेना की औसत उम्र को 4-5 साल घटाना है।

'गलत फैसलों के चलते सरकारी खजाने को हुए नुकसान की भरपाई करें', सुप्रीम कोर्ट की अधिकारियों को फटकार

एनटीवी, नई दिल्ली

दोषी अधिकारियों के प्रति कोई नरमी नहीं दिखाते हुए न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने कहा कि यह कोई भूल नहीं है, बल्कि जानबूझकर नियमों के साथ छेड़छाड़ किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे अफसरों को कड़ी फटकार लगाई, जिनके अवैध फैसलों की वजह से सरकारी खजाने को नुकसान हो रहा है। साथ ही आदेश दिया है कि दोषी अधिकारियों के साथ-साथ अनुचित लाभ पाने वाले अफसरों को इस नुकसान की भरपाई करनी पड़ेगी। दरअसल, अदालत ने यह निर्देश एक ऐसे मामले में सुनाया, जिसमें गैर तरीके से एक अधिकारी को उच्च वेतन पर रखा गया था, जो पिछले 24 सालों से इसका लाभ उठा रहा है। यह कोई भूल नहीं दोषी अधिकारियों के प्रति कोई नरमी नहीं दिखाते हुए न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने कहा कि यह कोई भूल नहीं है, बल्कि जानबूझकर नियमों के साथ छेड़छाड़ किया गया। इसलिए भुगतान की गई अतिरिक्त राशि की सरकारी खजाने में वापसी होनी चाहिए। सहयोगियों ने उठाया मामला दरअसल, एक अधिकारी को सन 1999 में वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग में अनुसंधान सहायक (चिकित्सा) के रूप में अन्य लोगों के साथ नियुक्त किया गया था, जिनका वेतन साढ़े छह हजार से साढ़े 10 हजार के बीच में था। हालांकि 2006 में एक आदेश जारी कर उसका वेतन आठ से साढ़ 13 हजार रुपये कर दिया गया। इस आदेश से साथ वाले लोग भड़क गए और उन्होंने सभी अदालतों का रुख किया, जहां से निराशा हाथ लगी। आखिरकार, वकील सोमेश झा और अमर्त्य शरण की सहायता से शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया। अधिकारी के प्रति दिखाए गए व्यवहार से पक्षपात साफ पीठ ने कहा कि एक अधिकारी के प्रति दिखाए गए व्यवहार से पक्षपात साफ दिख रहा है।

उन्हें 2006 से पहले उच्च वेतनमान पर अन्य संगठनों में प्रतिनियुक्ति पर जाने की कई बार अनुमति दी गई थी और वेतनमान बढ़ाए जाने के बाद ही उन्होंने कार्यभार संभाला था। पीठ ने आगे कहा कि उनकी राय में, अधिकारियों ने प्रतिवादी नंबर चार (अधिकारी) के साथ हाथ मिलाया ताकि किसी तरह उन्हें उच्च वेतन दिया जा सके और उस दिशा में बार-बार कार्रवाई की गई। नियमों को ताक पर रखा गया शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर यदि नियमों के एक ही सेट द्वारा शासित किया जाता है, तो उसी कैडर के एक भी पद को अलग नहीं किया जा सकता था और पद के लिए निर्धारित योग्यता पर विचार करके उच्च वेतन दिया जा सकता था। इससे साफ है कि नियमों को जानबूझकर ताक पर रखा गया था।

इसलिए प्रतिवादी नंबर चार को भुगतान की गई अतिरिक्त राशि की वसूली का निर्देश देते हैं। नुकसान की भरपाई करें पीठ ने आगे कहा कि अधिकारी को अनुचित लाभ दिलवाने में शामिल अधिकारी भी उतने ही दोषी हैं। इसलिए इन सभी लोगों को मामले में समान रूप से उत्तरदायी बनाया जाना चाहिए। इसलिए सरकारी खजाने में हुए नुकसान की भरपाई दोनों में से किसी को भी करनी होगी।

टैंपल स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम- डील- 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय : 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए-4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट, कार्यालय : 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड़, नियर बैक ऑफ बडौदा दिल्ली110042